News सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-03
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रुपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

पेज-4

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, रविवार, 07 अप्रैल 2024

आज का विचार

सबसे उत्तम तीर्थ अपना मन है जो विशेष रूप से शुद्ध किया हुआ हो -स्वामी शंकराचार्य

सहारनपुर की चुनावी सभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिशन-2024 के पूरा करने को मांगे वोट

पीएम नरेंद्र मोदीः हमारे लिए देश और देशहित से बड़ा कुछ नहीं, आज पूरी दुनिया में बज रहा है भारत का डंका

गौरव सिंघल । सिटी चीफ यूपी सहारनपुर, 18 वीं लोकसभा के चुनाव के पहले चरण के 19 अप्रैल को होने वाले मतदान के पहले नंबर की सीट सहारनपुर में शनिवार सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी दूसरी रैली में मतदाताओं को 40 मिनट के अपने सम्मोहित कर देने वाले भाषण में अपनी दस साल की उपलब्धियों को एक-एक करके गिनाया तो वहीं आगे आने वाले पांच सालों के लिए किए जाने वाले कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की। आत्मविश्वास और उत्साह से लबालब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सहारनपुर के राधा स्वामी सत्संग मैदान पर मतदाताओं से तीसरी बार उनकी सरकार चुनने के लिए आशीर्वाद मांगा। प्रधानमंत्री करीब साढ़े ग्यारह बजे सभा स्थल पर पहुंचे। जहां उनका पहले से मौजूद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। प्रधानमंत्री से पूर्व 10 मिनट योगी आदित्यनाथ ने सभा को संबोधित किया। ठीक 12 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन शुरू हुआ। उन्होंने मां शाकुम्बरी देवी की पवित्र धरती पर सभी को राम-राम के संबोधन के साथ अपनी बात शुरू की। उन्होंने कहा कि जहां उनकी सरकार को 10 साल पूरे हो गए हैं वहीं भाजपा आज अपना 44वां स्थापना दिवस मना रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सहारनपुर की धरती से हुंकार भरी और विपक्ष को चुनावी मैदान में ललकारा। उन्होंने कहा कि 2014 में जब वे प्रधानमंत्री बने तो भारत दुनिया की 11वीं आर्थिक ताकत था। 10 वर्षों के दौरान उनकी सरकार ने भारत को 5वीं आर्थिक महाशक्ति बना दिया हैं और अगले पांच सालों में भारत दुनिया की तीसरी आर्थिक ताकत बन जाएगा। वह भारत को विकासशील देश से विकसित देश बनाने के मिशन में प्राणपन से लगे हुए हैं। उन्होंने इसका श्रेय भारत की 144 करोड़ जनता और यहां के प्रबुद्ध मतदाताओं को दिया। उन्होंने गरीब किसान, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक सभी के कल्याण के बारे में अपने किए गए कार्यों को गिनाया।

उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। कांग्रेस जो काम दशकों में नहीं कर पाई वह उनकी सरकार ने 10 वर्षों में पूरा कर दिया है। उन्होंने जनता से यह नारा भी लगवाया कि चार जून यानि मतगणना का दिन हमारा है। उन्होंने कांग्रेस, ईडी और एनडीए के बीच अंतर करते हुए कहा कि वे कमीशन खाने के लिए हैं और हम जनकल्याण और राष्ट्रहित के लिए हैं। उन्होंने अयोध्या में रामलला के भव्य मंदिर का उल्लेख करते हुए कहा कि यह हमारी चुनावी घोषणा में नहीं बल्कि हमारे मिशन में शामिल है। इस बार की रामनवमी को रामलला टैंट में नहीं बल्कि भव्य मंदिर में दर्शन देंगे। यह हमारी पार्टी के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर से हमने धारा 370 हटाने का काम पूरा किया हैं। जहां कभी पत्थरबाजों का बोलबाला था वहां अब नवनिर्माण जारी हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा राजनीति नहीं राष्ट्रनीति पर चलती है। भाजपा के लिए राष्ट्र प्रथम है। यह हमारा विश्वास है। यह हमारी रगों में है। यह हमारे सपनों में है।

भाजपा और मोदी के लिए देशहित से बड़ा कुछ भी नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा से लोग मिशन के लिए जुड़ते हैं। भाजपा राजनीतिक हितों से ऊपर है। गरीब कल्याण चुनावी घोषणा नहीं है। बल्कि हमारा मिशन रहा है। गरीबों को पक्का घर, शौचालय निर्माण, अंधेरा दूर करने के लिए बिजली के मुफ्त कनेक्शन, मुफ्त राशन सरकार ने दिए हैं। आने वाले पांच वर्षों में भी गरीबों को मुफ्त राशन मिलता रहेगा। नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पार्टी के चुनावी घोषणा पत्र की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि उसके घोषणा पत्र में 1947 वाली मुस्लिम लीग और वामपंथियों की सोच झलकती है। आज की कांग्रेस गांधी की कांग्रेस नहीं है।1947 और वर्षों बाद तक कांग्रेस में एक से एक दिग्गज नेता हुआ करते थे। आज की कांग्रेस भ्रष्टाचारियों की हिमायत करती है और सत्ता पाने के लिए गठबंधन कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों पर तीखी हमला करते हुए कहा कि भले ही उन्हें कितनी गालियां खानी पड़े लेकिन भ्रष्टाचार के खात्मे और भ्रष्टाचारियों पर उनकी सरकार की कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुस्लिम बेटियों को तीन तलाक की कुप्रथा से निजात दिलाने और मुस्लिम परिवारों को तीन तलाक के आतंक से मुक्त करने को अपनी बड़ी उपलब्धि बताया और कहा कि इसके लिए मुस्लिम बेटियां मोदी को आशीर्वाद देती हैं। उन्होंने सहारनपुर के लकड़ी के नक्काशी के कारोबार की सराहना करते हुए कहा कि सरकार पूरे देश में उत्पादों की बिक्री के लिए बाजार और ग्राहक उपलब्ध करा रही हैं।

उन्होंने पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों और उन्नत खेती का जिक्र करते हुए कहा कि हमारी सरकार 3000 रूपए के यूरिया के बोरे को किसानों को केवल 300 रूपए में दे रही है। किसानों को समय पर गन्ना मूल्य का भुगतान हो रहा है।

उनकी सरकार छोटे किसानों के लिए संवेदनशील है। अकेले सहारनपुर जिले में तीन लाख किसानों को 860 करोड़ रूपए सीधे उनके खातों में जमा करा चुकी है।

उन्होंने कहा कि हम विकसित राष्ट्र में जुटे हैं जबकि विपक्ष सत्ता पाने के लिए तड़फ रहा है। नरेंद्र मोदी ने विपक्ष का मजाक उड़ाते हुए कहा कि यह पहला चुनाव हैं जब विपक्षी दल अपनी जीत का दावा नहीं कर रहे हैं।

विपक्षी दलों के नेता भाजपा और एनडीए की सीटें कम करने के दावे जरूर कर रहे हैं। उन्होंने अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि सपा हर घंटे अपने उम्मीदवार बदल रही है जो अपने पार्टी अपने उम्मीदवारों का फैसला भी नहीं कर पाती है वह क्या चुनाव जीतेगी। उन्होंने लगे हाथ कांग्रेस पर भी व्यंग्य किया बोले कि उसकी स्थिति तो यह हो गई है कि उसके उम्मीदवार तक इस्तीफा दे रहे हैं।

ईडी गठबंधन अस्थिरता का दूसरा नाम है। जबकि एनडीए ने देश में दस साल स्थिर सरकार दी है। वह खुद हर पल देश की सेवा में लगे हैं। मोदी का सपना ही आपका सपना है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार की लड़ाई जनता के लिए है। नौजवानों को रोजगार देने के लिए है। इससे वे पीछे हटने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि दस सालों की उपलब्धि पर पूरा देश गर्व करता हैं। उनके काम को लोगों ने पसंद किया है। मोदी के सपनों का यह ट्रेलर मात्र था। यह शुरूआत थी। मोदी देश को बहुत आगे लेकर जाना चाहता हैं। नरेंद्र मोदी ने सहारनपुर की जनता से अपने उम्मीदवार राघव लखनपाल शर्मा और कैराना के उम्मीदवार प्रदीप चौधरी को भारी मतों से जिताने की भावुक अपील की। उन्होंने मतदाताओं से यह भी अपील की कि वे इस बार धूप और गर्मी की चिंता ना करते हुए ज्यादा से ज्यादा मतदान केंद्रों पर जाएं और पिछली बार से ज्यादा वोट डालकर देश में तीसरी बार मोदी सरकार बनवाएं। इससे पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी वैश्विक मंच पर सबसे लोकप्रिय और ताकतवर नेता हैं। उनके विकास के माडल को और गरीब कल्याण के कार्यक्रमों को पूरे विश्व ने मान्यता दी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोनाकाल में कोविड के प्रबंधन के जरिए देश और दुनिया में अपनी अमिट छाप छोड़ी है और वह भारत को दुनिया की सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनाने की ओर देश को ले जाने में अग्रसर हैं। योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कुशल नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने पाकिस्तान के आतंकवादियों को चुन-चुनकर ढेर करने का काम किया। आतंकवाद दुनिया के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। भारत इसका सामना नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में ही कर सकता हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भरोसा दिया कि सहारनपुर की जनता यहां के दोनों उम्मीदवारों को भारी मतों से जिताएगी। साथ ही उत्तर प्रदेश भाजपा का मिशल 80 भी पूरा करेगा। मंच पर प्रदेश भाजपाध्यक्ष और जिले के मंत्री एवं विधायक उपस्थित थे। मोदी की आज की सभा स्थल पर पैर रखने को भी जगह नहीं बची थी। जनसभा के लिए अभूतपूर्व सुरक्षा प्रबंध किए गए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करीब डेढ़ घंटा सहारनपुर में रूके और यहां से हवाई जहाज मार्ग से राजस्थान के अजमेर के लिए चले गए।

ईडी को हेमंत सोरेन के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मिला नया सबूत

नई दिल्ली। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जमीन घोटाला मामले में 31 जनवरी को गिरफ्तार किया था. उन पर आरोप है कि उन्होंने 31 करोड़ रुपये से ज्यादा की 8.86 एकड़ जमीन अवैध रूप से हासिल की थी. जिस दावे को साबित करने के लिए प्रवर्तन निदेशालय के हाथ अब रेफ्रिजरेटर और स्मार्ट टीवी के बिल आगए है जो उसी जमीन पर लगाए गए थे. संघीय जांच एजेंसी को रांची के दो डीलरों से रेफ्रिजरेटर और स्मार्ट टीवी की रसीदें मिली, जिसे एजेंसी ने पिछले महीने 48 साल के झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता हेमंत सोरेन और बाकी चार के खिलाफ दायर अपनी चार्जशीट में शामिल कर लिया है. 31 जनवरी को कथित जमीन हड़पने से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने हेमंत सोरेन को गिरफ्तार कर लिया था. वो फिलहाल रांची के होटवार की बिरसा

मुंडा जेल में न्यायिक हिरासत में हैं. ईडी के अनुसार, दोनों गैजेट संतोष मुंडा के परिवार के सदस्यों के नाम पर खरीदे गए थे, जिन्होंने एजेंसी को बताया था कि वो 14 सालों से हेमंत सोरेन की 8.86 एकड़ जमीन की देखभाल करने का काम कर रहे है. ईडी ने दावा किया कि जमीन बाद में कुछ व्यक्तियों को बेच दी गई थी, लेकिन सोरेन ने उन्हें बेदखल कर दिया और 2010-11 में जमीन पर नियंत्रण हासिल कर लिया. एजेंसी ने कहा कि फरवरी 2017 में मुंडा के बेटे के नाम पर एक रेफ्रिजरेटर खरीदा गया था, जबकि उनकी बेटी के नाम पर नवंबर 2022 में एक स्मार्ट टीवी खरीदा गया था, हालांकि ये दोनों ही चीजें वहां खरीदी गई जहां रांची में जमीन मौजूद है. ईडी ने कहा, यह साफ है कि संतोष मुंडा और उनका परिवार इस संपत्ति पर रह रहा था. कथित जमीन घोटाला मामले में गिरफ्तार, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार 5 फरवरी को बीजेपी और ईडी को चुनौती देते हुए कहा था कि अगर वो उन्हें रांची में 8.5 एकड़ जमीन का मालिक बताते हुए कोई रिकॉर्ड पेश कर सकें, तो वो राजनीति छोड़ देंगे.

लोकसभा चुनावः सांसद बनने के बाद तेजस्वी सूर्या की संपत्ति 30 गुना बढ़ी

बंगलूरू कर्नाटक के बंगलूरू दक्षिण संसदीय क्षेत्र से भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या की संपत्ति बीते पांच वर्षों में लगभग 30 गुना बढ़ी है। 2019 में जब उन्होंने पहली बार लोकसभा का चुनाव लड़ा था, तब उन्होंने अपनी संपत्ति 13.46 लाख रुपये बताई थी, जो अब बढ़कर 4.10 करोड़ रुपये हो चुकी है। भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष ने अपने हलफनामे में बताया है कि उनके पास कुल 4,10,30,489.95 रुपये की चल संपत्ति है। इसमें से 80 हजार की नकदी उनके पास है। बाकी का पैसा या तो बैंकों में जमा है या म्यूचुअल फंड में निवेशित है। हलफनामे में भाजपा सांसद ने बताया कि पिछले वित्त वर्ष यानी 2022-23 में उनकी कुल आय 44,13,050 रुपये थी, जबकि 2018-19 में केवल 11 लाख रुपये थी। **ओम बिरला से ज्यादा अमीर उनकी पत्नी-** बिरला से ज्यादा अमीर पत्नी राजस्थान के कोटा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से लगातार तीसरी बार चुनावी मैदान उतरे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की कुल संपत्ति 13.23 करोड़ रुपये है, जिसमें उनकी पत्नी डॉक्टर अमिता की चल-अचल संपत्ति भी शामिल है। चुनावी हलफनामे के मुताबिक, बिरला के पास 1,97,34,585 रुपये की चल संपत्ति और 40 हजार की नकदी है। बिहार की गया लोकसभा सीट से विपक्षी गठबंधन के राजद उम्मीदवार कुमार सर्वजीत के पास कुल 8.70 करोड़ की चल-अचल संपत्ति है।

आर्टिकल 370 पर मल्लिकार्जुन खरगे को पीएम मोदी ने नवादा से दिया जवाब, 'यह टुकड़े-टुकड़े गैंग की भाषा'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज बिहार के नवादा में हैं, जहां रैली को संबोधित करेंगे। पीएम मोदी की रैली से पहले बिहार की सियासत गर्म है। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा, बीते 10 साल में सरकार ने कई ऐतिहासिक फैसले लिए हैं। पूरी दुनिया में भारत का डंका बज रहा है। हम देश से गरीबी खत्म करने के मिशन पर हैं। मोदी का मल्लिकार्जुन खरगे को जवाब पीएम मोदी ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को राजस्थान में दिए उनके बयान का नवादा की धरती से जवाब दिया। खरगे ने इस बात पर आपत्ति दर्ज करवाई थी कि मोदी आर्टिकल 370 का कश्मीर के बाहर जिक्र क्यों कर रहे हैं? मोदी ने कहा, मुझे इस बयान पर शर्म आती है। क्या जम्मू-कश्मीर हमारे देश का हिस्सा है या नहीं? कांग्रेस सुन ले। जम्मू-कश्मीर में देश की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वालों में बिहार के जवान शामिल है, राजस्थान के जवान शामिल हैं। यह टुकड़े-टुकड़े करने वाली गैंग से प्रेरित भाषा है। शहीदों का अपमान सहन नहीं किया सकता है।

महिलाओं के हक में हाई कोर्ट का बड़ा आदेश

लिव-इन रिलेशनशिप के बाद ब्रेकअप हुआ तो देना होगा खर्चा

भोपाल। लिव-इन रिलेशनशिप में रहने के बाद अगर ब्रेकअप होता है तो महिला पर भरण-पोषण की हकदार होगी। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने महिलाओं के हक में एक बड़ा फैसला सुनाया है। उच्च न्यायालय ने लिव-इन रिलेशनशिप में महिलाओं के अधिकारों को मान्यता देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए फैसला सुनाया है कि किसी पुरुष के साथ काफी लंबे समय तक रिश्ते में रहने वाली महिला अलग होने पर भरण-पोषण की हकदार होगी, भले ही वे कानूनी रूप से विवाहित न हों।

यह फैसला एक याचिका की सुनवाई के दौरान आया। दरअसल याचिकाकर्ता शैलेश बोपचे ने बालाघाट जिला अदालत के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें

उसे महिला को 1,500 रुपये का मासिक भत्ता देने का आदेश दिया था। वह शख्स उस महिला के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रहता था। बाद में बोपचे ने फैसले को हाईकोर्ट में इस आधार पर चुनौती दी थी कि महिला ने जिला अदालत के समक्ष दावा किया था कि उसने मंदिर में शादी की लेकिन वह इसे साबित नहीं कर सकी। लेकिन जिला कोर्ट ने फिर भी इसे मान लिया। हालांकि हाईकोर्ट ने उसकी याचिका खारिज कर दी।

न्यायमूर्ति जीएस अहलूवालिया की पीठ ने कहा कि बोपचे के वकील का एकमात्र विवाद यह है कि महिला कानूनी तौर पर उनकी पत्नी नहीं है, इसलिए सीआरपीसी की धारा 125 के तहत रखरखाव भत्ते के लिए आवेदन विचार योग्य नहीं है। न्यायाधीश ने कहा कि ट्रायल कोर्ट ने यह नहीं कहा है कि वह उसकी कानूनी रूप से विवाहित पत्नी है और न ही महिला यह साबित कर सकी कि शादी मंदिर में हुई थी। न्यायमूर्ति अहलूवालिया के आदेश में कहा है, ह्ललेकिन ट्रायल कोर्ट ने निष्कर्ष दिया है कि चूंकि पुरुष और महिला काफी लंबे समय से पति-पत्नी के रूप में रह रहे थे, और महिला ने एक बच्चे को भी जन्म दिया है, इसलिए वह भरण-पोषण की हकदार है।

सुनवाई के दौरान न्यायाधीशों ने इस बात पर जोर दिया कि यदि कपल के बीच सहवास (साथ रहते हुए संभोग करने) का सबूत है तो भरण-पोषण से इनकार नहीं किया जा सकता है। हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के निष्कर्ष का हवाला दिया, जिसने कहा था कि पुरुष और महिला पति और पत्नी के रूप में रह रहे थे। इसके अलावा, लिव-इन में रहने के दौरान महिला ने एक बच्चे को भी जन्म दिया था। इसे ध्यान में रखते हुए, अदालत ने कहा कि महिला भरण-पोषण की अधिकारी है। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट का ये फैसला ऐतिहासिक माना जा रहा है क्योंकि भारत में लिव-इन रिलेशनशिप के संबंध में कई कानूनी बहस चल रही हैं।

सिंगल कॉलम

पालतू श्वान ने बच्चे को काटा

इंदौर। इंदौर में पालतू श्वान ने एक बच्चे को काट लिया। बच्चे के पिता ने पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने कुत्ते के मालिक के खिलाफ केस दर्ज किया है। लसूड़िया थाना पुलिस ने फरियादी राकेश जोशी निवासी स्मार्ट होम्स तलावली चांदा की शिकायत पर आरोपी मनीष विजयवर्गीय निवासी स्मार्ट होम्स तलावली चांदा के खिलाफ केस दर्ज किया है। फरियादी राकेश ने पुलिस को बताया कि बेटा अकुल जोशी अपने दोस्त अथर्व नायक के घर के बाहर खड़ा था। तभी अचानक से मनीष विजयवर्गीय के पालतू कुत्ते ने बेटे को काट लिया, जिससे उसको दोनों पैर और हाथ में चोट आई।

सीसीटीवी फुटेज से पकड़ाया, महिला और बेटी को कुचलने वाला ड्राइवर

इंदौर। बुधवार को बायपास पर मां-बेटी को कुचलकर भागने वाला ड्राइवर पकड़ा गया है। सेज यूनिवर्सिटी के सामने हुई घटना में ट्राले ने मोटर साइकिल को टक्कर मार दी थी जिसमें मां और बेटी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी और पिता गंभीर हो गए थे। फरार ड्राइवर को राऊ पुलिस ने पकड़ लिया है। आरोपी ड्राइवर ने तेज और लापरवाही पूर्वक ट्राला चलाकर यह हादसा किया था। नावदा पंथ निवासी करण सिंह चौहान अपनी पत्नी छाया व 17 वर्षीय बेटी दिव्यांशी के साथ अपनी मोटरसाइकिल से ओंकारेश्वर दर्शन के लिए जा रहे थे। सुबह करीब 7ः30 बजे सेज यूनिवर्सिटी के सामने बायपास रोड ब्रिज पर पहुंचे और पीछे से तेज गति से लापरवाही पूर्वक आ रहे ट्राले ने करण सिंह की मोटर साइकिल में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इससे करण सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी पत्नी छाया व बेटी दिव्यांशी की मौके पर ही मृत्यु हो गई हो गई। घायल एवं मृतकों को एंबुलेंस से तत्काल एमवायएच इंदौर भेजा गया बाद में थाना राऊ ने जांच शुरू की। 48 घंटे के अंदर कार्रवाई पुलिस ने बायपास रोड पर होटल, ढाबे, पेट्रोल पंप एवं टोल प्लाजा पर लगे सीसीटीवी फुटेज का सूक्ष्मता से विश्लेषण किया। इसके साथ मुखबिर तंत्र से भी सूचनाएं मिली। इन सभी के आधार पर आरोपी राहुल पिता सखाराम मुवेल उम्र 24 साल निवासी कालीकराई थाना धरमपुरी जिला धार को गिरफ़्तार कर ट्राल 48 घंटे के अंदर जब्तकिया गया।

मंगल सिटी और सी-21 मॉल की पार्किंग से गाड़ियां चोरी

इंदौर। मंगल सिटी मॉल और सी-21 मॉल की पार्किंग से गाड़ियां चोरी होने का मामला सामने आया है। युवक मॉल में मूवी देखने गया था। वापस लौटा तो बाइक गायब थी। इसी तरह एक युवती की एक्टिवा पार्किंग में से चोरी हुई है। विजय नगर थाना पुलिस ने फरियादी योगेश मोरे उम्र 33 साल निवासी नेहरु नगर की शिकायत पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज किया है। योगेश ने पुलिस को बताया कि अपनी पल्सर बाइक क्रमांक टढ 09 श्क्ष्ृ 9782 सी-21 मॉल की पार्किंग में लॉक लगाकर खड़ी की थी। इसके बाद वो मॉल में मूवी देखने चला गया। वापस आया तो बाइक नहीं थी। आसपास काफी ढूंढने के बाद भी बाइक नहीं मिली। अज्ञात बदमाश बाइक चुरा ले गए। इसी तरह विजय नगर थाना पुलिस ने फरियादी याशी डोंगरे उम्र 22 साल निवासी अरिहंत अपार्टमेंट सेक्टर डी. सुदामा नगर की शिकायत पर अज्ञात बदमाश के खिलाफ केस दर्ज किया है। फरियादी याशी ने पुलिस को बताया कि वो लॉ की पढ़ाई कर रही है। 4 अप्रैल को रात 10.35 बजे उसने अपनी एक्टिवा क्रमांक टढ 39 टक्ष्ृ3073 मंगल सिटी मॉल की पार्किंग में खड़ी की थी। जिसे अज्ञात बदमाश चुरा ले गए।

48 साल की महिला को से छेड़छाड़, बात करने के लिए दबाव बनाता था आरोपी

इंदौर। एक 48 साल की महिला को धमकाने का मामला सामने आया है। आरोपी महिला पर बात करने के लिए दबाव बनाता था। महिला का पीछा करता था। परेशान होकर महिला थाने पहुंची और केस दर्ज करवाया। एरोड्रम थाना पुलिस ने 48 साल की पीड़िता की शिकायत पर आरोपी विवेक शर्मा निवासी दुर्गा नगर के खिलाफ धारा 354घ और 507 में केस दर्ज किया है। आरोपी के द्वारा महिला का बार-बार पीछा किया जाता है। आरोपी महिला को फोन पर धमकी देता था। बात करने के लिए दबाव बनाता था। बात नहीं करने पर जान से मारने की धमकी देता था। महिला की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर मामले में जांच शुरू कर दी है।

युवक पर एसिड अटैक, पुलिस ने आरोपी जीजा के खिलाफ दर्ज किया केस

***इंदौर।** राऊ थाना क्षेत्र में एक युवक पर एसिड डालने का मामला सामने आया है। शिकायत पर पुलिस ने आरोपी जीजा के खिलाफ केस दर्ज किया है। मामले में जांच की जा रही है। जीजा ने ऐसा क्यों किया, इसके कारणों का पता लगाया जा रहा है। राऊ थाना पुलिस ने आरोपी राजेश सोलंकी निवासी बाडी मोहल्ला के खिलाफ केस दर्ज किया है।*

सेमेस्टर परीक्षाओं के रिव्यू रिजल्ट की व्यवस्था बिगड़ी, परीक्षाएं हो रही प्रभावित

सिटी चीफ इंदौर।
देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में सेमेस्टर परीक्षाओं के रिव्यू रिजल्ट की व्यवस्था बिगड़ गई है। छात्र-छात्राओं को महीनों तक अपने परीक्षा परिणाम को लेकर इंतजार करना पड़ता है। कई बार परेशान विद्यार्थी विश्वविद्यालय में अधिकारियों के चक्कर लगाते रहते है। मगर संतोषजनक जवाब नहीं मिलता है।वैसे बीते 48 घंटे में विभिन्न पाठ्यक्रम के रिव्यू व मुख्य परिणाम आए है, जिसमें 3 बीकॉम एलएलबी, 3 बीबीए और एक-एक एलएलएम-एमए के रिजल्ट शामिल है। वैसे कुछ छात्र-छात्राओं के रिजल्ट रुके हैं। पूछने पर अधिकारियों ने बताया कि इनके आंतरिक परीक्षाओं के अंक विश्वविद्यालय को नहीं मिले है। हालांकि रिजल्ट में देरी से परीक्षाएं प्रभावित होने लगी है। बीकॉम एलएलबी के विभिन्न सेमेस्टर की परीक्षाएं जुलाई-अगस्त 2023 में विश्वविद्यालय ने करवाई थी। अक्टूबर में रिजल्ट आने के बाद कुछ विषय में फेल विद्यार्थियों ने रिव्यू को लेकर आवेदन दिया था। इनकी कॉपियां दोबारा जांचने में विश्वविद्यालय को चार से पांच महीने लग गए। 5 अप्रैल को बीकॉम एलएलबी तीसरे,

छठे और आठवें सेमेस्टर का रिव्यू रिजल्ट निकाला है। इसके अलावा एलएलएम तीसरे और चौथे सेमेस्टर का मुख्य परिणाम है, जिसमें 70 प्रतिशत छात्र-छात्राएं उत्तीर्ण हुए है। साथ ही एमए मिलिट्री साइंस पहले सेमेस्टर के नियमित व प्राइवेट छात्र-छात्राओं का रिजल्ट निकाला है। जबकि बीबीए पहले, तीसरे और पांचवें सेमेस्टर का रिजल्ट घोषित किया है। बीबीए पाठ्यक्रम में दो हजार विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी।

समय पर नहीं मिलती कॉपियां

परीक्षा नियंत्रक डा. अशेष तिवारी का कहना है कि रिव्यू के लिए विद्यार्थियों की कॉपियां अन्य विषय विशेषज्ञों के पास जांचने के लिए भेजी जाती है, जो समय पर नहीं मिल रही है। इसकी वजह से रिजल्ट में समय लग रहा है। वे बताते है कि अब मूल्यांकनकर्ताओं को दस दिन में कापियां जांचकर देने की डेडलाइन रखी है।

336 कांग्रेसी भाजपा में गए, उनमें 80 प्रतिशत कांग्रेस से पहले ही थे बाहर

इंदौर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जीतू पटवारी शनिवार को इंदौर के कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल हुए। उन्होंने मंच से विधानसभा चुनाव में मिली हार, कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जा रहे नेताओं के मुद्दे पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि सरकार एजेसिंयों का दुरुपयोग कर हमारे नेताओं को डरा धमका कर भाजपा में शामिल करने की कोशिश कर रही है। इससे वे लोग डरे हुए है, जिन्होंने कुछ गलत किया है। उनके मन में डर बैठा है कि सरकार उनका कुछ नुकसान न कर दे। इस डर की वजह से वे भाजपा में चले जाएंगे। वहां जाकर अपमान भी सहेंगे,वे गालियां भी देंगे तो सुनकर मुस्कुराते रहेंगे, लेकिन जो बहादूर है। कांग्रेस की विचारधारा से जुड़े है। वे कल भी कांग्रेस के साथ थे और भविष्य में भी रहेंगे। पटवारी ने कहा कि भाजपा ने आज ही मैसेज चलाए कि एक लाख कार्यकर्ता भाजपा में आएंगे। विश्व रिकार्ड बनाएंगे। मैं सुबह से सोच रहा हुं कि कार्यकर्ता जा कहां रहे है। गिनती तो भाजपा वाले बता ही नहीं रहे है। कांग्रेस छोड़कर भाजपा में सिर्फ 336 नेता व कार्यकर्ता गए है। मैने उनकी गिनती कराई है। उसमें से भी 80 प्रतिशत को हमने पहले ही बाहर कर दिया था। भाजपा झूठ और फरेब के सहारे माहौल तैयार कर रही है,क्योकि उनके पास बताने के लिए कुछ नहीं बचा। पटवारी ने कहा कि राऊ का कार्यकर्ता कांग्रेस का सच्चा सिपाही है। राऊ विधानसभा मेरी जीत में भी साथ है और हार में भी साथ है।

लाड़ली बहना के कारण हारे विधनासभा चुनाव

पटवारी ने कहा कि अब हमारे पास बोलने के लिए मुद्दे है। भाजपा ने जो वादे किए थे। वे पूरे नहीं हुई। भाजपा झूठ के दम पर माहौल बना रही है, लेकिन जमीन पर हालात विपरित है। महंगाई पांच गुना बढ़ गई है। भाजपा ने जनता को कुछ नहीं दिया है। पटवारी ने कहा कि कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव में पूरी मेहनत की, लेकिन भाजपा ने लाड़ली बहनों को पैसा देने की बात की। भाजपा के कार्यकर्ता उसे घर-घर ले गए। उसका अद्भूत असर हुआ।

भाजपा से बागी होकर लड़े थे महू से विधानसभा चुनाव

कांग्रेस नेता राम किशोर शुक्ला भाजपा में शामिल

महू। इंदौर के महू विधानसभा से चुनाव लड़ने वाले राम किशोर शुक्ला ने फिर भाजपा का दामन थाम लिया है। शुक्ला शनिवार को महू विधायक उषा ठाकुर के घर पहुंचे। बीजेपी के स्थापना दिवस के मौके पर विधायक उषा ठाकुर ने राम किशोर शुक्ला को भाजपा की सदस्यता दिलाई। विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने महू से उषा ठाकुर को ही रिपीट किया था। राम किशोर शुक्ला को टिकट नहीं मिला तो वह बागी होकर चुनाव लड़े। उनका मुकावला निर्दलीय प्रत्याशी अंतर सिंह दरबार से था। लेकिन शुक्ला न सिर्फ तीसरे स्थान पर रहे उनकी जमानत भी जब्त हो गईं थी। इसके बाद अंतर सिंह दरबार मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के जरिए भाजपा में शामिल हो गए। चुनाव के दौरान दैनिक भास्कर से चर्चा में शुक्ला ने कहा था कि मैंने भारतीय जनता पार्टी में पूरी ईमानदारी लगन और परिश्रम से कार्य किया है। लेकिन आश्वासन के अलावा मुझे कुछ नहीं मिला, इसलिए मैंने भारतीय जनता पार्टी छोड़ने का मन बनाया। वह गांधी हाल इंदौर में कमलनाथ की उपस्थिति में सदस्यता ग्रहण किए थे। सदस्यता ग्रहण करने के लिए बड़ी संख्या में कार से काफिले के साथ इंदौर पहुंचे थे। उन्होंने कांग्रेस के टिकट के संबंध में कहा कि कमलनाथ महू का सर्वे करवाएंगे। उस आधार पर टिकट का वितरण किया जाएगा। मेरे लिए संगठन से बड़ा कोई नहीं है और में कांग्रेस की सदस्यता ले रहा हूं। बाहरी उम्मीदवारों को ही भारतीय जनता

पार्टी ने मौका दिया, स्थानीय उम्मीदवारों को आज तक मौका नहीं दिया। जिन कार्यकताओं ने दरी उठाई उनको भाजपा भूल गई। महू के कद्दावर नेता हैं शुक्ला रामकिशोर शुक्ला का महू में अलग ही दबदबा है। यहां से चुनाव में भाजपा को हमेशा 15 से 20 हजार की लीड मिलती आई है। अब फिर एक बार शुक्ला के भाजपा में शामिल होने के बाद लोकसभा चुनाव में इंदौर के साथ साथ धार सीट में भी कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। क्योंकि महू विधानसभा वैसे तो इंदौर जिले में आती है लेकिन लोकसभा क्षेत्र धार लगता है।

मालगंज चौराहे से निकलेगी शोभायात्रा

विजय नगर में मनेगा फाग उत्सव

सिटी चीफ इंदौर।
शहर में विभिन्न धार्मिक-सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों के कार्यक्रम 7 अप्रैल को होंगे। इसमें कुंभकार समाज द्वारा श्रीयादे माता की शोभायात्रा और सबके राम आयोजन की कलश यात्रा निकलेगी। फाग उत्सव का उल्लास भी रविवार की छुट्टी के दिन छाएगा। इसके अतिरिक्त विभिन्न आयोजन शहर के अलग-अलग क्षेत्र में होंगे।- शहर में एक बार फिर साईं के प्रति भक्ति और समर्पण का उल्लास छाएगा। केंद्रीय साईं सेवा समिति की साईं प्रभातफेरी मुखर्जी नगर,बाणगंगा रोड से सुबह 6 बजे निकिलेगी। इसके बाद देवी अहिल्या साईं सोशल भक्त समिति की संध्याफेरी हम्माल कालोनी छोटा बांगड़दा में शाम 6 बजे निकलेगी। - योग से रोग निवारण ग्रीष्मकालीन शिविर महालक्ष्मी मंदिर उषानगर में आयोजित किया जा रहा है। शिविर में 28 अप्रैल तक प्रतिदिन सुबह 6 से 7.30 तक योग शिक्षकों द्वारा शरीर की अलग-अलग बीमारियों के उपचार के लिए योग बताए जाएंगे। - सबके राम लोक

कल्याण समिति के तत्वावधान में 9 से 17 अप्रैल तक दशहरा मैदान पर श्रीराम जन्मोत्सव महायज्ञ एवं मेला आयोजित किया जाएगा। इसकी कलश यात्रा रविवार सुबह 9 बजे अन्नपूर्णा आश्रम से आयोजन स्थल 'अवध लोक' तक निकलेगी। - सात दिवसीय भागवत कथा 8 अप्रैल तक गोम्मटगिरि जम्बूड़ी हप्सी स्थित गोवर्धन गोशाला पर आयोजित की जाएगी। कथा प्रतिदिन दोपहर 12 से शाम 5 बजे तक पं. कमल किशोर नागर के मुखारविंद से हो रही है। - कुंभकार समाज 13 घटक के 40 संगठन की भागीदारी में आराध्य श्रीयादे माता की शोभायात्रा निकाली जाएगी। यात्रा शाम 5 बजे मालगंज चौराहा से निकलेगी। इसमें सामाजिक समरसता के लिए रोटी-बेटी व्यवहार कराने का संकल्प दिलाया जाएगा। - सनाढ्य ब्राह्मण सभा के तत्वावधान में श्री सनाढ्य ब्राह्मण सभा युवा मंडल द्वारा विजय नगर स्थित लॉ ओमनी गार्डन पर मिलन समारोह एवं राधा कृष्ण फाग उत्सव शाम 7 बजे आयोजित किया जाएगा। इसमें भजन गायिका लक्ष्मी पांडे अपने भजनों की मनोहारी प्रस्तुतियां देंगी। फूलों की होली एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे।

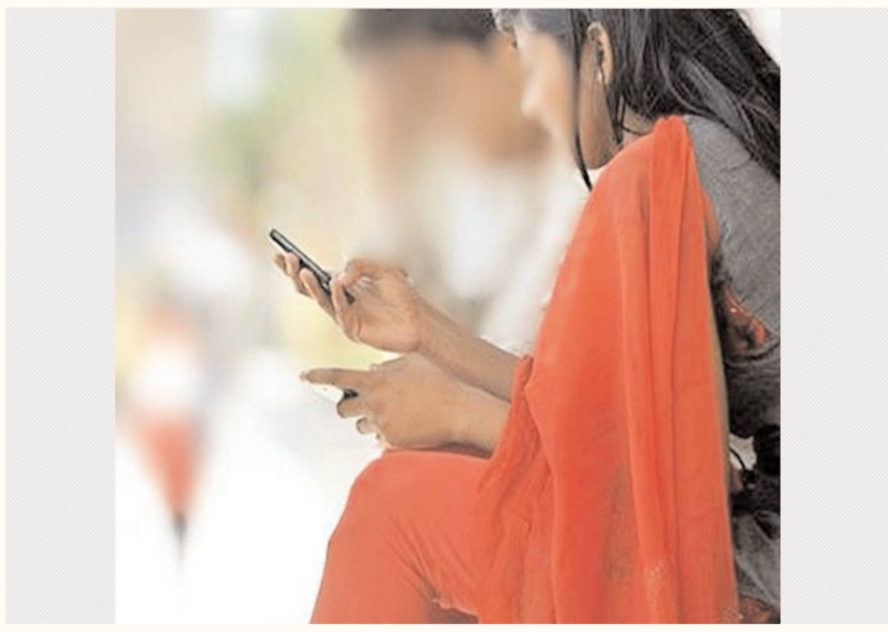

मोबाइल चलाने से रोका तो बेटी घर में छोड़ गई सुसाइड नोट, पुलिस ने फ्रेंड की मदद से ढूंढ निकाला

इंदौर। माता-पिता की डांट से नाराज नाबालिग लड़की ने घर छोड़ दिया। पुलिस ने एक छात्रा की मदद ली और लड़की को ढूंढ लिया। नाराज लड़की ने चिट्ठी लिखकर आत्महत्या की धमकी दी थी। जोन-2 के डीसीपी अभिनय विश्वकर्मा ने मददगार छात्रा का सम्मान किया है।

एमआइजी टीआइ मनीष लोधा के मुताबिक, क्षेत्र में रहने वाली नाबालिग लड़की शुक्रवार को लापता हुई थी। स्वजन ने बताया कि ज्यादा मोबाइल चलाने और दिनभर फोन पर बतियाने पर उसे डांटा था। बच्ची घर से जाने के पहले पत्र लिखकर गई है। उसने लिखा कि अब कभी नहीं लौटेगी।

उसे ढूंढने के प्रयास भी नहीं किए जाए।

टीआइ के मुताबिक, पुलिस ने लड़की के मोबाइल की कॉल डिटेल निकाली तो पता चला कि उसने परिचित रानू धनगर को फोन किया था। रानू ने बताया कि सहेली ने जन्मदिन पर बधाई देने के लिए बात की थी। घर से जाने के बाद कोई संपर्क नहीं हुआ। शनिवार सुबह पुनः रानू के पास फोन आया तो उसने तुरंत पुलिस को खबर कर दी। लड़की ने यह फोन बाणगंगा थाना क्षेत्र से किया था। पुलिस ने मोबाइल की लोकेशन निकाली और लड़की को बरामद कर लिया।

मोतियाबिंद के शिविर में आठ लोगों की आंखों की रोशनी जाने की शिकायत, ऑपरेशन थियेटर किया सील

सिटी चीफ इंदौर।
चोइथराम नेत्रालय में हाल ही में मोतियाबिंद की सर्जरी कराने वाले आठ मरीजों की संक्रमण के कारण उनकी आंखों की रोशनी चली जाने की शिकायत स्वास्थ्य विभाग को मिली थी। यह सर्जरी 20 मार्च को नेशनल प्रोग्राम फार कंट्रोल आफ ब्लाइंडनेस (एनपीसीबी) के तहत एक शिविर में की गई थी। घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अस्पताल के आपरेशन थिएटर को सील कर दिया, जहां सर्जरी की गई थी। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग द्वारा इस मामले में तीन सदस्यीय जांच पैनल का गठन किया गया, जबकि जिला कलेक्टर आशीष सिंह ने भी इसकी रिपोर्ट मांगी है। एनपीसीबी के जिला नोडल अधिकारी डा. प्रदीप गोयल के मुताबिक 20 मार्च को राष्ट्रीय दृष्टिहीनता नियंत्रण

कार्यक्रम (एनपीसीबी) के तहत शिविर में चोइथराम नेत्रालय में आठ मरीजों की मोतियाबिंद की सर्जरी की गई, जिनमें से अधिकांश मरीज इंदौर, उज्जैन और धार जिलों के थे। 79 मोतियाबिंद सर्जरी की गई शिविर में करीब 79 मोतियाबिंद सर्जरी की गई और मरीजों को अगले दिन छुट्टी दे दी गई थी। जिसमें से चार मरीजों को कुछ संक्रमण और आंखों की रोशनी कम होने की शिकायत आई। जांच के बाद प्रभावित मरीजों की संख्या बढ़कर आठ हो गई है। 50 से 85 वर्ष की आयु के मरीजों को सर्जरी के अगले दिन सूजन, जलन और आंखों की रोशनी कम होने की समस्या होने लगी। स्वास्थ्य विभाग की एक टीम ने कल्चर परीक्षण के लिए ओटी के नमूने भी एकत्र किए थे, जो नकारात्मक पाए गए।

हम मामले की जांच कर रहे हैं और सोमवार को प्रभावित मरीजों को बुलाएंगे। ओटी को पहले ही सील कर दिया गया है और अस्पताल से स्पष्टीकरण मांगा गया है। संक्रमण का कारण पता नहीं चल सका है। हमारी टीम मामले की जांच कर रही है और हम मरीजों को सभी चिकित्सा सहायता प्रदान कर रहे हैं। इनमें से अधिकतर मरीज ठीक हो रहे हैं और इलाज के बाद उनकी आंखों की रोशनी वापस आ जाएगी।

चांदपुर में 30 एकड़ में लगना थीं मशीनें
अब हो गए 100 से अधिक कब्जा

सिटी चीफ भोपाल।
चांदपुर में करीब 30 एकड़ जमीन का चयन शहर की आरा मशीनों को शिफ्ट करने के लिए किया गया था। दो साल पहले इस जमीन पर शिफ्टिंग प्रस्ताव निरस्त होने के बाद से भूमाफिया की नजर बनी हुई है। यहां तेजी से अवैध कब्जा कर निर्माण किए जा रहे हैं। इतना ही नहीं अवैध प्लाटिंग भी जमकर हो रही है। इसके बाद भी यहां किसी तरह की कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। राजधानी की सीमा पर स्थित बिशनेखड़ी चांदपुर में अतिक्रमण का जाल फैल गया है। चांदपुर में आरा मशीन शिफ्टिंग की प्रक्रिया जोरों पर होने के दौरान 2020 में तात्कालीन मंत्री आरिफ अकील ने चांदपुर के प्रस्तवित स्थल का निरीक्षण किया था। तब मौके पर 35 कब्जे मिले थे। कब्जे देखकर मंत्री ने नाराजगी जाहिर करते हुए सभी अतिक्रमण हटाने और चारदीवारी करने के निर्देश उद्योग विभाग को दिए थे। लेकिन इस जमीन पर कभी शिफ्टिंग हुई ही नहीं। इधर 2023 में परवलिया सड़क स्थित छोटा रातीबड़ में

शिफ्टिंग होना तय हुई है जबकि इस बीच चांदपुर में कब्जे 35 से बढ़कर 100 पार कर गए हैं।
भोपाल बायपास के पास स्थित है शासकीय भूमि जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत बिशनखेड़ी चांदपुर भोपाल बायपास से लगी हुई है। यहां पर शासकीय भूमि का एक बड़ा हिस्सा स्थित है। पूर्व में कई बार राजस्व ने इसका उपयोग करने की योजनाएं बनाईं लेकिन वह धरातल पर नहीं उतर सकी। इस वजह से भूमाफिया की नजर करोड़ों रुपये की इस भूमि पर बनी हुई है। ग्रामीण क्षेत्र के रहवासी बताते हैं कि चांदपुर में अतिक्रमणकारी तेजी से कब्जा कर रहे हैं। यह भी बताया जा रहा है कि बिना किसी अनुमति के यहां प्लाटिंग की जा रही है।

आसपास के गांवों में धड़ल्ले से कट रही अवैध कालोनी

भोपाल बायपास के पास स्थित सिर्फ चांदपुर ही गांव नहीं है जहां अवैध कालोनी विकसित हो रही हों।इसके आसपास स्थित एक दर्जन से अधिक गांव में अवैध कालोनियां कट रही हैं। इनमें जगदीशपुर, ईंटखेड़ी, अचारपुरा, डोबरा, मुबारकपुर, अरवलिया, परवलिया, इमलिया, सेमरा, मुगालिया कोट, सूखीसेवनियां, दुपाड़िया, श्यामपुर, देवलखेड़ी, भैंरोपुरा, मस्तीपुरा सहित अन्य गांव शामिल हैं। जहां पर पंचायतों की मिलीभगत से जमकर अवैध प्लाटिंग की जा रही है।

किया जाना है सर्वे

जानकारी के अनुसार वर्ष 2023 से अब तक जिले में विकसित हुईं अवैध कालोनियों की सूची सभी एसडीएम, तहसीलदार को तैयार करना है। यह निर्देश कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने दिए थे। इसके लिए सर्वे शुरू किया गया था जिसमें प्राथमिक तौर पर 20 से अधिक अवैध कालोनी चिह्नित की जा चुकी हैं। जिनमें 15 हुजूर तहसील की शामिल हैं।

इनका कहना है....

बिशनखेड़ी, चांदपुर में शासकीय भूमि पर शिफ्टिंग की मुझे जानकारी नहीं हैं। यदि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे किए जा रहे हैं तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही अवैध कालोनियों की सूची तैयार कराई जा रही है।

एसएफ जवानों को ले जा रही बस हादसे का शिकार
कार से टकराने के बाद पलटी, तीन की मौत और 26 पुलिसकर्मी घायल

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। मध्य प्रदेश के सिवनी जिले के केवलारी थाना क्षेत्र में दर्दनाक हादसा हो गया। जिले के लोपा गांव के पास 35वीं बटालियन के एसएफ जवानों को ले जा रही बस कार से टकराने के बाद पलट गई। हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 26 पुलिसकर्मी घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार मंडला के रहने वाले कुछ लोग नागपुर से इलाज कराकर कार से वापस घर जा रहे थे। इस दौरान पुलिस जवानों को लेकर सिवनी आ रही बस की धानागढ़ के पास कार से टक्कर हो गई। हादसे में कार में सवार अशोक कुकरेजा, ममता जसवानी, निखलेश जसवानी, कन्हैया जसवानी और पुरूषोत्तम उर्फ काजू महोबिया गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं बस में सवार करीब 26 जवान भी घायल हो गए। सूचना पर पहुंची

पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से घायलों को समुदाय सिविल अस्पताल केवलारी में भर्ती कराया। जहां, डॉक्टरों ने कार सवार घायल निखलेश जसवानी, कन्हैया जसवानी और पुरुषोत्तम उर्फ काजू महिपाल को मृत घोषित कर दिया। घायल पुलिस जवानों का अस्पताल में इलाज रहा है।

सड़क खराब होने के कारण वाहन हुए असंतुलित

बताया जा रहा है कि सड़क खराब होने के कारण वाहन असंतुलित हो गए थे और आपस में टकरा गए। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि हादसे में गंभीर रूप से घायल अशोक कुकरेजा, ममता जसवानी और मदन भांडे को नागपुर रेफर किया गया है।

निजी स्कूल कर रहे हैं मनमानी, डीईओ को शिकायत का इंतजार
17 प्रतिशत स्कूलों ने ही दी जानकारी
वह भी आधी-अधूरी

सिटी चीफ भोपाल।
नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत हो चुकी है। निजी स्कूलों ने गणवेश से लेकर पाठ्यक्रम तक में बदलाव कर दिया है। इस कारण अभिभावकों को नई खरीदनी पड़ रही है, जबकि संयुक्त संचालक ने 31 मार्च तक निजी स्कूलों को पाठ्यक्रम सहित किताबों और फीस की सूची देने के निर्देश दिए थे, लेकिन सिर्फ 17 प्रतिशत स्कूलों ने आधी-अधूरी जानकारी दी है।

राजधानी में 321 में से 54 स्कूलों ने ही पाठ्यक्रम की सूची सौंपी है। जिला शिक्षा अधिकारी(डीईओ) की अनदेखी के कारण अब तक स्कूलों ने जानकारी नहीं दी है, जबकि कई स्कूलों ने पाठ्यक्रम में भी बदलाव कर दिया है तो कुछ ने गणवेश बदल दिए हैं। वहीं स्कूल शिक्षा विभाग ने आठ फरवरी को आदेश जारी कर प्रदेश में फीस विनियमन अधिनियम 2020 कानून का पालन करने के निर्देश दिए थे। इसके तहत प्रदेश के निजी स्कूलों से फीस, पाठ्यक्रम और किताबों की जानकारी मांगी गई थी, लेकिन दो माह बाद भी स्कूलों में से सिर्फ 54 स्कूलों ने जानकारी अपलोड की है। मामले में अब तक कोई जिला स्तरीय समिति गठित नहीं की गई है।स्कूलों पर कोई शिकंजा नहीं कसा जा रहा है। फिर से इस साल अभिभावकों को निजी प्रकाशकों

की महंगी किताबें और गणवेश खरीदनी पड़ रही है।डीइओ अभिभावकों की ओर से शिकायतों का इंतजार कर रहे हैं।

स्कूलों को यह देनी थी जानकारी

राज्य शासन ने मध्यप्रदेश निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) 2017 एवं नियम-2020 लागू कर चुका है। हाल में आदेश जारी कर सभी स्कूलों को सत्र 2023-24 के लिए नियत की गई फीस संरचना (कक्षावार एवं संवर्गवार विभिन्न मदों में) की जानकारी पोर्टल पर अपलोड की जाएगी।निजी स्कूल विगत तीन वर्षों (2020-21, 2021-22, 2022-23) के बजट की जानकारी वेबसाइट पर अपलोड करेंगे। बैलेंस शीट, प्राप्ति एवं भुगतान पत्रक, आय-व्यय शेड्यूल सहित सभी जानकारी देनी है। इसके बाद संबंधित विषयों के पालन में निजी स्कूलों द्वारा 100 रुपए के गैर न्यायिक स्टांप पेपरों पर आवश्यक वचन पत्र भी अपलोड करना था।

इनका कहना है

निजी स्कूलों को 31 मार्च तक का समय दिया गया था।अब तक डीइओ की ओर से कोई जांच प्रतिवेदन नहीं मिली है।मनमानी करने वाले स्कूलों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

अरविंद चौरगड़े,संयुक्त संचालक,स्कूल शिक्षा विभाग

-जिले के 321 में से 54 बड़े निजी स्कूलों ने जानकारी दी है। उसका निरीक्षण करेंगे। अगर अभिभावक शिकायत करते हैं तो कार्यवाही की जाएगी।

बुटीक संचालिका को एक माह तक
बंधक बनाकर किया दुष्कर्म

सिटी चीफ भोपाल।
मेट्रिमोनियल साइट पर युवती की प्रोफाइल देख शादी का रिश्ता लेकर आया था आरोपी, जैते-तैसे आरोपी के चंगुल से छूटकर घर पहुंची पीड़िता

भोपाल । अयोध्या नगर में रहने वाली 35 वर्षीय एक बुटीक संचालिका का अपहरण कर एक माह तक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी ने नर्मदापुरम में उसे एक कमरे में रखा और उसका शारीरिक शोषण किया। बाद में वह किसी तरह से आरोपी से चंगुल से छूटकर आई और पुलिस के पास पहुंची और आरोपी के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक इलाके में रहने वाली 35 वर्षीय युवती अकेले ही रहती है। पिछले साल उसने अपनी शादी के लिए एक मेट्रिमोनियल साइट पर बायोडाटा दिया था। इसके बाद गिरीश धारे नामक युवक ने संपर्क किया और बताया कि वह नर्मदापुरम का रहने वाला है और ट्रांसपोर्ट का व्यवसाय करता है। पहचान के बाद दोनों के बीच फोन पर बातचीत होने लगी। उसके बाद गिरीश एक-दो बार युवती से मिलने के लिए भोपाल भी आया और शादी करने की इच्छा जाहिर की। युवती ने शादी के लिए समय मांगा।

2 दिसंबर 2023 को गिरीश युवती के घर एक लोडिंग आटो लेकर पहुंचा और उसका सामान पैक कर आटो में रखा तथा युवती को जबरन कार में बैठाकर अपने साथ नर्मदापुरम ले गया। वहां उसे एक किराए के कमरे में युवती को रखा, जबकि बगल वाले में कमरे में वह खुद ठहर गया। अगले दिन गिरीश युवती के कमरे में पहुंचा और डरा-धमकाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद उसी कमरे में उसे बंधक बना लिया। बाहर जाते समय वह दरवाजे पर ताला लगा देता था और किसी से संपर्क नहीं करने देता था। 29 दिसंबर को युवती को मौका मिला तो वह गिरीश के चंगुल से छूटकर अपने घर लौट आई। इस दौरान गिरीश ने उसे फोन पर धमकी दी कि अगर पुलिस से शिकायत की तो उसने जान से खत्म कर दिया जाएगा। युवती ने नर्मदापुरम से लौटने के तीन माह बाद आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस आरोपी की तलाश में लगी है।

पिछले चार लोकसभा चुनाव में तीन गुना से ज्यादा बढ़ गई राजनीतिक पार्टियां

सिटी चीफ भोपाल।
विभिन्न लोकसभा चुनावों में मध्य प्रदेश में भाजपा और कांग्रेस ही प्रमुख दल रहे हैं। कभी तीसरी पार्टी के रूप में उभरी बसपा के वोट लगातार घट रहे हैं। प्रदेश में कभी आठ प्रतिशत से अधिक वोट पाने वाली बसपा को वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में तीन प्रतिशत से भी कम मत मिले थे। उसका वोट बैंक सिमटता जा रहा है। इसके विपरीत प्रदेश में लोकसभा

चुनाव में भाग लेने वाले राजनीतिक दलों की संख्या बढ़ रही है। वर्ष 2004 के चुनाव में राष्ट्रीय, क्षेत्रीय मिलाकर 26 दलों ने ही चुनाव में भाग लिया था पर वर्ष 2019 के चुनाव में इनकी संख्या 80 तक पहुंच गई। सभी दलों को मिलाकर कुल 438 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था। इनमें भाजपा और कांग्रेस उम्मीदवारों पिछले चार लोकसभा चुनाव परिणामों को देखें तो भले ही कोई निर्दलीय या छोटे दल का उम्मीदवार नहीं जीता हो पर उन्हें हर चुनाव में चार से छह प्रतिशत तक वोट उन्हें मिलते रहे हैं। कुछ सीटों पर तो वह भाजपा व कांग्रेस का समीकरण भी बिगाड़ देते हैं।

स्वास्थ्य विभाग ने की कार्रवाई, अस्पताल को नहीं थी एमटीपी एक्ट की अनुमति
नाबालिग का गर्भपात कराने पर अस्पताल सील

सिटी चीफ भोपाल।
अयोध्या बायपास रोड स्थित होप अस्पताल के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए स्वास्थ्य विभाग ने इसे सील कर दिया है। अस्पताल में आगामी आदेश तक कोई भी चिकित्सकीय गतिविधियां संचालित नहीं की जा सकेंगी। दरअसल, इस अस्पताल में एक नाबालिग का गर्भपात कराए जाने का मामला सामने आया था, जिस पर त्वरित संज्ञान लेते हुए सीएमएचओ द्वारा यह कार्रवाई की गई। अस्पताल को एमटीपी एक्ट के तहत अनुज्ञा न होने के कारण पुलिस को सूचना देकर विधिसम्मत कार्रवाई के लिए लिखा गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के दल द्वारा शुक्रवार को होप अस्पताल का निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान अस्पताल बंद मिला। अभिलेखों के परीक्षण में पाया गया कि अस्पताल को एमटीपी एक्ट की अनुमति नहीं थी। निरीक्षण दल द्वारा पंचनामा बनाकर अस्पताल पर नोटिस चस्पा किया है। अस्पताल के विरुद्ध मध्यप्रदेश उपचयार्गृह तथा रूजोपचार संबंधी स्थापनाएं (रजिस्ट्रीकरण एवं अनुज्ञापन) अधिनियम 1973 एवं अधिनियम 1977 एवं एमटीपी एक्ट 1971 के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की गई है। इनका कहना है

समय-समय पर निजी अस्पतालों, क्लीनिक, पैथोलाजी एवं रेडियोडायग्नोस्टिक सेंटर का निरीक्षण करवाया जाता है। इसी क्रम में विगत दिनों अल्फा डायनेस्टिक सेंटर को बंद किया गया था। स्वास्थ्य संस्थाओं द्वारा नर्सिंग होम एवं क्लिनिक एस्टेब्लिशमेंट एक्ट एवं अन्य संबंधित अनुमतियों का उल्लंघन पाए जाने पर विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

हटाने के लिए भोज वेटलैंड अथारिटी ने कलेक्टर और निगमायुक्त को लिखा पत्र
झील किनारे कबाड़ हो रहा क्रूज, स्ट्रक्चर हटाने को तैयार नहीं जिम्मेदार

भोपाल। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की रोक के बाद लेक प्रिंसेस बड़े तालाब के किनारे खड़ी है। वहीं दुबई की तर्ज बनाए जा रहे आलीशान फ्लोटिंग रेस्टोरेंट (क्रूज) का ढांचा खानूगांव में झील किनारे कबाड़ हो रहा है। लेकर जिम्मेदार इसे हटाने को तैयार नहीं हैं। ऐसे में भोज वेटलैंड अथारिटी ने कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह और नगर निगम आयुक्त हरेंद्र नारायण को पत्र लिखकर जबाव मांगा है।

दरअसल भोज वेटलैंड के नियमों को धता बता बड़े तालाब के किनारे फ्लोटिंग रेस्टोरेंट का निर्माण किया जा रहा था। पर्यावरणविदों ने इसको लेकर एनजीटी में याचिका लगाई थी। जिसके बाद इसके निर्माण में रोक लगा दी गई थी। एनजीटी ने यह भी कहा था कि जलाशयों के किनारे बफर जोन में किसी तरह का कोई निर्माण भी नहीं किया जा सकेगा। यदि पूर्व से कहीं कोई पक्का निर्माण है तो उसे भी तोड़ना होगा। लेकिन एनजीटी के आदेश को पर्यटन विभाग मानने को तैयार नहीं था और इसमें मामले में सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। सुप्रीम कोर्ट ने भी सरकार को फटकार लगाते हुए एनजीटी के आदेश को सही बताया। तब जिम्मेदार ने यहां बन रहे क्रूज रेस्टोरेंट पर रोक लगा दी। लेकिन तब तक स्ट्रक्चर बन चुका था। अब इसे हटाने के लिए भोज वेटलैंड अथारिटी ने कलेक्टर और निगमायुक्त को पत्र लिखा है।

रामसर साइट में लागू होते हैं वेटलैंड नियम

भोज वेटलैंड अथारिटी के कार्यपालक संचालक मुजीबुर्रहमान खान ने कलेक्टर को लिखे पत्र में आरटीआई एक्टीविस्ट नितिन सक्सेना की मुख्य सचिव को संबोधित शिकायत का हवाला देते हुए पूछा है कि बड़ी झील के फुलटैंक लेवल (एफटीएल) में अस्थाई प्लेटफार्म, डाकयार्ड, शिपयार्ड तैयार कर क्रूज निर्माण किया जा रहा है। जबकि भारत सरकार द्वारा पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 के अंतर्गत वेटलैंड संरक्षण हेतु वेटलैंड (संरक्षण एवं प्रबंधन) नियम 2017 जारी किए गए हैं। ये वेटलैंड नियम सभी रामसर साइट्स पर स्वतः ही लागू होते हैं। इस संबंध में वेटलैंड नियम 2017 के पालन हेतु पर्यावरण विभाग, मप्र शासन द्वारा 16 मार्च 2022 को आदेश जारी किए गए हैं। जिसमें प्रतिबंधित गतिविधियों की सूची भी शामिल है। जबकि भोज वेटलैंड में क्रूज संचालन के संबंध में एक अन्य प्रकरण में डा. सुभाष सी पांडे द्वारा एनजीटी में प्रकरण विचाराधीन है। अतः वेटलैंड नियम का पालन सुनिश्चित करते हुए इस मामले में स्थल निरीक्षण आधारित तथ्यात्मक वस्तुस्थिति एवं की गई कार्रवाई से वेटलैड प्राधिकरण (एप्को) को अवगत कराएं।

झील किनारे क्रूज निर्माण की सीएस से की थी शिकायत

सबसे पहले बड़ी झील किनारे क्रूज निर्माण को लेकर पर्यावरणविद सुभाष सी पांडे ने एनजीटी में याचिका लगाई थी। इसके बाद आरटीआइ एक्टीविस्ट नितिन सक्सेना ने चार जनवरी 2023 को मुख्य सचिव से खानूगांव में क्रूज निर्माण की शिकायत की थी। जिसमें कहा गया था कि वेटलैंड होने की वजह से झील के एफटीएल और उसके 50 मीटर दायरे में किसी भी तरह का स्थाई या अस्थाई निर्माण या गतिविधियां संचालित नहीं की जा सकती। जबकि एमपी टूरिज्म काउंसिल द्वारा एफटीएल पर यहां प्लेटफार्म, डाकयार्ड, शिपयार्ड तैयार कर क्रूज निर्माण किया जा रहा है। इसी शिकयात का हवाला देते हुए मप्र राज्य वेटलैंड प्राधिकरण ने 23 जनवरी 2023 को भोपाल कलेक्टर को पत्र लिख जवाब तलब किया है। इसके बाद 11 अगस्त 2023 को नगर निगम आयुक्त को पत्र लिख भोजवेटलैंड नियमों का पालन कराने की बात कही। जिसके तहत झील के एफटीएल में बनाए जा रहे क्रूज को हटाया जाना था।

साम्पदकीय

कांग्रेसी घोषणापत्र में गारंटियों की तार्किकता

यूं तो घोषणापत्र में वे सभी मुद्दे शामिल हैं, जिनके आधार पर वह पिछले पांच सालों में मोदी सरकार को घेरती रही है। लेकिन पार्टी ने इसे न्याय पत्र का नाम दिया और 25 गारंटियों का जिक्र किया। जिसमें एससी,एसटी और ओबीसी के लिये आरक्षण की निर्धारित सीमा संविधान संशोधन के जरिये बढ़ाने की बात कही है।

देश चुनावी रंग में नजर आ रहा है। सभी राजनीतिक दल अपने वायदे-इरादे जाहिर कर रहे हैं। यूं तो कांग्रेस लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के झंडे तले राजग का विकल्प बनाने की तैयारी में जुटी है लेकिन शुक्रवार को उसने कांग्रेस मुख्यालय में सोनिया गांधी, राहुल गांधी व कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे आदि की उपस्थिति में अपना घोषणा पत्र जारी किया। यूं तो घोषणापत्र में वे सभी मुद्दे शामिल हैं, जिनके आधार पर वह पिछले पांच सालों में मोदी सरकार को घेरती रही है। लेकिन पार्टी ने इसे न्याय पत्र का नाम दिया और 25 गारंटियों का जिक्र किया। जिसमें एससी,एसटी और ओबीसी के लिये आरक्षण की निर्धारित सीमा संविधान संशोधन के जरिये बढ़ाने की बात कही है। वहीं देश में किसान आंदोलन की पृष्ठभूमि में न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी गारंटी देने का वायदा किया गया। पार्टी ने दावा किया है कि जो हिंदुस्तान चाहता है वह कांग्रेस घोषणा पत्र में दिख जाएगा। इसमें शैक्षणिक संस्थानों व नौकरियों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को दस फीसदी आरक्षण का भी वायदा है। वहीं केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में तीस लाख नौकरियों के रिक्त पदों को भरने की बात कही गई। साथ ही राजस्थान की तर्ज पर पूरे देश में पच्चीस लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा देने की बात कही गई। जैसे कि पहले भी राहुल गांधी कहते रहे हैं- देश में सामाजिक, आर्थिक और जातिगत सर्वे कराने की बात कही गई है। वहीं हाल में बार-बार सामने आए पेपर लीक मामले में कहा गया है कि यदि कांग्रेस सत्ता में आती है तो फास्ट ट्रैक अदालतों के गठन के जरिये कार्रवाई करके पीड़ितों को आर्थिक राहत दी जाएगी। डिजिटल लर्निंग के महत्व को समझते हुए पार्टी ने कक्षा नौ से बारह तक के छात्रों को मोबाइल फोन दिलाने का वायदा किया है। दूसरी ओर 21 साल से कम उम्र के प्रतिभावान खिलाड़ियों को दस हजार रुपये प्रतिमाह की प्रोत्साहन राशि देने की बात कही है। वहीं दूसरी ओर महिलाओं को लुभाने के लिये गरीब परिवार की महिलाओं को एक लाख रुपये हर साल व 2025 से केंद्र सरकार की आधी नौकरियां महिलाओं के लिये आरक्षित करने का वायदा भी है। पार्टी ने मनरेगा के तहत मजदूरी बढ़ाकर 400 रुपये प्रतिदिन करने के साथ ही चार सौ रुपये न्यूनतम राष्ट्रीय वेतन की गारंटी भी दी है। कई मुद्दों पर राजग सरकार के दौरान उठे विवाद के चलते कांग्रेस ने वायदा किया है कि पार्टी की सरकार बनी तो भोजन, पहनावे, प्यार, शादी और भारत के किसी भी हिस्से में यात्रा व निवास की व्यक्तिगत पसंद में हस्तक्षेप नहीं करेगी। साथ ही ऐसे कानूनों को रद्द करेगी। पार्टी ने हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की वैकेंसियां तीन साल में भरने, अग्निपथ योजना को खत्म करने और शिक्षा नीति में बदलाव लाने की भी बात कही है। पार्टी ने कहा कि यदि हम सत्ता में आए तो पहली से बारहवीं तक निशुल्क व अनिवार्य शिक्षा की व्यवस्था करेंगे। जम्मू-कश्मीर के राज्य के दर्जे को बहाल करने के साथ ही पुडुचेरी को पूर्ण राज्य का दर्जा देंगे। कांग्रेस द्वारा चुनावी घोषणा पत्र जारी करने के बाद राजस्थान की एक चुनावी सभा में प्रधानमंत्री ने टिप्पणी की कि भाजपा जो कहती है, वो जरूर करती है, सिर्फ घोषणापत्र ही जारी नहीं करती। हम संकल्प पत्र लेकर आते हैं। वहीं भाजपा प्रवक्ता ने भी कहा कि महिलाओं के लिये जो लुभावनी और अन्य घोषणाएं की गई हैं, क्या उन्हें कांग्रेस शासित राज्यों में लागू किया गया था? बहरहाल, विगत में भी देखा गया है कि पार्टियां आसमान से तारे जमीन पर लाने की बात जरूर अपने घोषणापत्र में कर देती हैं,लेकिन वित्तीय संसाधन सीमित होने के कारण उनका क्रियान्वयन संभव नहीं हो पाता। यदि करने की कोशिश होती भी है तो आयकरदाता के टैक्स का उपयोग विकास कार्यों के बजाय अनुत्पादक कार्यों में होता है। यह विडंबना ही कि राजनीतिक दल लोगों को स्वावलंबी बनाने तथा स्थायी रोजगार उपलब्ध कराने के बजाय मुफ्त की रेवड़ियां बांटने को प्राथमिकता देते हैं। जो निश्चित रूप से देश के विकास की दृष्टि प्रगतिशील कदम नहीं कहा जा सकता।

वोट में तब्दील होने वाले मुद्दों की तलाश बड़ी चुनौती

चुनाव घोषणा पत्रों में मुफ्त की सुविधाओं की भरमार भी अब लोगों को अधिक लुभाने वाली नहीं लगती। कारण साफ है इससे एक और प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष कर देने वाला अपने को ठगा समझने लगा है, वहीं लाभार्थी इसे राजनीतिक दलों की कमजोरी समझने लगा है।

18 वीं लोकसभा के चुनावों का बिगुल बज चुका हैं वहीं पहले चरण की 102 सीटों के लिए नामांकन का कार्य पूरा होने के साथ ही एनडीए ने 31 मार्च को मेरठ और इंडी गठबंधन ने नई दिल्ली से चुनावी केंपेन का आगाज कर दिया है। लोकसभा के सातों चरणों के मतदान तक राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव रैलियों, रोड़ शो सहित विभिन्न मंचों से एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी रहेगा। सौ टके का सवाल यह है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के चुनावों में चुनाव अभियान के दौरान आखिर मुख्य मुद्दे क्या बनेंगे ? हाल ही पांच विधान सभा चुनावों के दौरान गांरटियों की खूब चचाएं रही। एक तरफ गांरटियां थी तो दूसरी और बीजेपी ने मोदी को ही गारंटी बताकर प्रचारित किया। दरअसल देखा जाएं तो पिछले कुछ चुनावों से चाहे वे लोकसभा के हो या विधानसभाओं के चुनाव हो, सीधे जनता से जुड़े मुद्दें तो कहीं नेपथ्य में ही रह जाते हैं। तस्वीर का एक पक्ष यह भी है कि जनता से जुड़े मुद्दों को आमजनता भी अब मुद्दे या चुनावी एजेंडा नहीं मानने लगी है। इसका कारण भी कुछ और ही होता जा रहा है। किसी जमाने में गरीबी हटाओं या भ्रष्टाचार मिटाओं या महंगाई या बेरोजगारी तो सकारात्मक प्रचार अभियान में विकास की बात आदि मुद्दे महत्वपूर्ण होते थे पर अब देखा जाए तो यह मुद्दे वोट में तब्दील नहीं हो पा रहे हैं। पिछले चुनावों के अनुभव हमारे सामने हैं। दर असल अब नकारात्मक प्रचार राजनीतिक दलों पर उलटा पड़ने लगा है। पिछले दो लोकसभा के चुनावों में चौकीदार, सेना के साक्ष्य, चाय वाला आदि ऐसे वक्तव्य रहे जिसका जितना अधिक उपयोग हुआ वह भाजपा और नरेन्द्र मोदी के पक्ष में ही गया। दरअसल अब वोट विश्वसनीयता यानी की भरोसे और वोल्डनेस पर पड़ने लगे हैं। एक बात यह भी महत्वपूर्ण हो जाती है कि आजादी के 75 साल बाद भी किसी दल का वोट प्रतिषत 50 प्रतिशत का आंकड़ा छू नहीं पाया है। दूसरी और चुनाव आयोग द्वारा लाख प्रयासों के बाद भी 100 में से 33 प्रतिशत मतदाताओं को मतदान केन्द्र पर मतदान के लिए ले जाने में हम सफल नहीं हो पा रहे हैं। खैर यह अलग विचारणीय मुद्दे हैं। विपक्ष के प्रयास है कि सत्तारुढ़ द्वारा संबैधानिक संस्थाओं यथा ईडी, आईटी आदि जांच एजेंसियों का हथियार के रुप में उपयोग, चुनावी बॉण्ड, बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार आदि को प्रभावी तरीके से चुनावी मुद्दा बनाया जाये पर अभी तक जो दिखाई दे रहा है उसमें साफ है कि यह मतदाताओं को प्रभावित करने वाले मुद्दे बन नहीं पा रहे हैं। इसका एक प्रमुख कारण तो विपक्षी खासतौर से इंडी के दलों का जुड़ना बिखरना जारी है। एक तरफ ममता पं.बगांल में कांग्रेस द्वारा वामपंथी दलों के साथ तालमेल कर चुनाव लड़ने को खुले आम भाजपा को लाभ बताने वाला निर्णय बता रही हैं वहीं बिहार, महाराष्ट्र, दिल्ली में कांग्रेस का छोटे पार्टनर के रुप में सामने आने, पंजाब में आप से सीटों के बंटवारें को लेकर समझौता ही नहीं होने, बसपा का अलग रुख, अजित जनता दल का बीजेपी के साथ आना, ओडीसा में बीजद सहित विरोधाभास सामने आ रहे हैं। वहीं दिल्ली की रैली से साफ हो जाता है कि विपक्ष का जो पैनापन होना चाहिए था वह लगभग असरदार नहीं दिखा। चुनावी बॉण्ड का मुद्दा जिस तरह से उछला वह अपनी धार नहीं दिखा पाया क्योंकि चुनावी चंदा सभी ने लिया चाहे वो कम हो या ज्यादा। दूसरी बात आमजन का यह सोच माना जा सकता है कि सभी राजनीतिक दल चुनावी चंदा लेते हैं और साफ है कि इसका फायदा सत्तारुढ़ दल को अधिक ही मिलता है। चंदा देने वाला अपने निहितार्थ देखता है और यही कारण है कि वह सत्तारुढ़ दल को अधिक चंदा देता है। इसलिए जिस तरह से यह बड़ा मुद्दा बनने की संभावना देखी जा रही थी वह कहीं पीछे ही रह गई। इसी तरह से केजरीवाल सहित आप नेताओं पर ईडी छापों और जेल का मुद्दा भी अधिक असर दिखाता नहीं लग रहा। इसका कारण भी साफ है कि केजरीवाल जो भ्रष्टाचार के खिलाफ ही सत्ता में आये थे पहलीबात तो उनके नेताओं पर शराब ठेकों में भ्रष्टाचार के आरोप लगे, दूसरी और बार बार सम्मन आने पर भी रेस्पांस नहीं करने और गिरफ्तारी के बाद भी पद पर बने रहने का आमजन में अभी तो नकारात्मक असर ही दिखाई दे रहा है। इस मामलें में लोग लालू की बड़ाई करने लगे हैं कि लालू ने गिरफ्तार होते ही अपना पद त्याग दिया और भले ही राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बनाया पर पद की गरिमा को तो बनाये रखा। केजरीवाल द्वारा बार बार सम्मन की अवहेलना करने और त्यागपत्र नहीं देने से लोगों में केजरीवाल के पदलोलुपता का संदेश गया अन्यथा निश्चित रुप से केजरीवाल के प्रति सहानुभूति होती और इसका लाभ समस्त विपक्ष को मिलता पर लगता है एक अच्छा अवसर खो दिया गया है। अब सवाल महंगाई को लेकर आता है तो महंगाई किसी जमाने में अपना असर दिखाती थी और प्याज के भाव बढ़ने के कारण सरकार को जाते हुए हमनें देखा है पर लगता है अब यह मुद्दा भी कुंद पड़ता जा रहा है। इसका कारण है बेरोजगारी और मंहगाई को जिस तरह से विपक्ष को चुनावी इशु बनाना चाहिए था उसमें वह सफल नहीं हो पा रही हैं।इस चुनाव में किसानों का मुद्दा तो अभी तक दिखाई ही नहीं दे रहा।

एक बात और चुनाव घोषणा पत्रों में मुफ्त की सुविधाओं की भरमार भी अब लोगों को अधिक लुभाने वाली नहीं लगती। कारण साफ है इससे एक और प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष कर देने वाला अपने को ठगा समझने लगा है, वहीं लाभार्थी इसे राजनीतिक दलों की कमजोरी समझने लगा है। चुनावी बॉण्ड भी इसलिए अधिक बड़ा मुद्दा नहीं बन पा रहा कि कमोबेस सभी दलों को चंदा मिला है। किसी ने भी इस तरह से चंदा लेने से ना नहीं किया। दूसरी और जहां तक आमआदमी का प्रश्न है वह जानता है कि चुनावी चंदा देने वाले पैसे वाले प्रभावशील लोग हैं। आमआदमी तो इतना चंदा देने से रहा। यह भी जानते हैं कि चुनावों के लिए चंदा लिया ही जाता है। दूसरी और मजे की बात यह है कि चंदा पैसों वालों से लेने के बावजूद आममतदाताओं को साधनें में सत्तारुढ़ दल सफल रहा है। साफ है कि चंदा देने वालों के वोट गिनती के ही होते हैं।

साफ है कि 18 वीं लोकसभा के चुनाव प्रचार अभियान में संवैधानिक संस्थाओं के उपयोग, चुनाव बॉण्ड, बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार आदि मुद्दें अधिक चलने वाले नहीं हैं। राम मंदिर, धारा 370 या इसी तरह के अन्य मुद्दों को विपक्ष उठाता भी है तो इसका लाभ भारतीय जनता पार्टी को ही मिलेगा। ऐसे में विपक्ष को चुनावी वैतरणी पार करने के लिए कोई ठोस मुद्दें खोजने होंगे। हवा हवाई या चलताउ भाषणों, आरोप प्रत्यारोप से पार पाना मुश्किल रहेगा। राजनीतिक विश्लेषक कहते हैं कि इस बार के चुनाव दस नेताओं के इर्द गिर्द रहेंगे इनमें नरेन्द्र मोदी, अमित शाह, राहुल गांधी, खड़गे, शरद पंवार, ममता बनर्जी, नीतिश कुमार, तेजस्वी यादव, स्टालीन, असदुद्दिन ओवैसी आदि दशा और दिशा तय कर पायेंगे। पर मेरा मानना है कि 18 वीं लोकसभा के चुनाव नरेन्द्र मोदी के इर्द गिर्द ही रहने वाला है। विपक्ष का निशाना नरेन्द्र मोदी ही रहेंगे और इसका उजला या स्याह पक्ष यह है कि विपक्ष जितना अधिक नरेन्द्र मोदी के नाम का उच्चारण करेगा उसका उतना ही अधिक लाभ नरेन्द्र मोदी और भाजपा को मिलेगा। पिछले दो लोकसभा के चुनाव परिणाम तो यही बताते हैं। ऐसे में विपक्ष को अलग ही तरह की रणनीति बनानी होगी।

विपक्ष को सकारात्मक रणनीति बनानी होगी अन्यथा नकारात्मकता को तो नरेन्द्र मोदी को अपने पक्ष में करने की महारत हैं। लोक सभा के पिछले दो चुनाव और गत दस सालों के विधानसभाओं के चुनावों के परिणाम सबके सामने हैं ऐसे में विपक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती भाजपा को घेरने की है और इसके लिए उसे पूर्व अनुभवों को ध्यान में रखते हुए प्रभावी रणनीति बनानी होगी। रैलियों, सभाओं में प्रमुख नेताओं को भाषणों-वक्तव्यों के दौरान सावधानी बरतनी होगी तभी मोदी जी से पार पाया जा सकता है। यह साफ साफ समझ लेना होगा। इसमें कोई अतिशयोक्ति भी नहीं है कि मोदी जी विपक्षी नेताओं द्वारा कही गई बात को तत्काल अपने पक्ष में भुनाने में सिद्धहस्त है, ऐसे में विपक्ष के सामने प्रमुख चुनौती चुनाव अभियान के दौरान अपनों के बीच समन्वय व समझ बनाये रखनी है तो जनमानस को प्रभावित करने की रहेगी तो मोल तोल के बोल पर भी अधिक ध्यान देना होगा।

सूर्य, चंद्र, त्रिपुंड और ऊं धारण कर भस्मारती में सजे बाबा महाकाल, हजारों भक्तों ने किए दर्शन

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आज चैत्र कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी-चतुर्दशी तिथि पर रविवार तड़के भस्म आरती के दौरान चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पण्डे पुजारियों ने गर्भगृह में स्थापित भगवान की प्रतिमाओं का पूजन किया। भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत से कर पूजन अर्चन किया। प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को चांदी का मुकुट और रुद्राक्ष व पुष्पों की माला धारण करवाई गई। आज के श्रृंगार की विशेष बात यह रही कि आज त्रयोदशी-चतुर्दशी की भस्मआरती में बाबा महाकाल का एक अलग ही स्वरूप में श्रृंगार किया गया। बाबा महाकाल के मस्तक पर सूर्य, चंद, त्रिपुंड और ऊं लगाकर श्रृंगारित हुए। श्रृंगार के बाद बाबा महाकाल के ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर भस्म रमाई गई और भोग भी लगाया गया। भस्म आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे जिन्होंने बाबा महाकाल के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर जय श्री महाकाल की गूंज से गुंजायमान हो गया।

हाथ भी बातें करते हैं...सोचने और महसूस करने पर भी असर, मनुष्य को भी मिलती है संतुष्टी

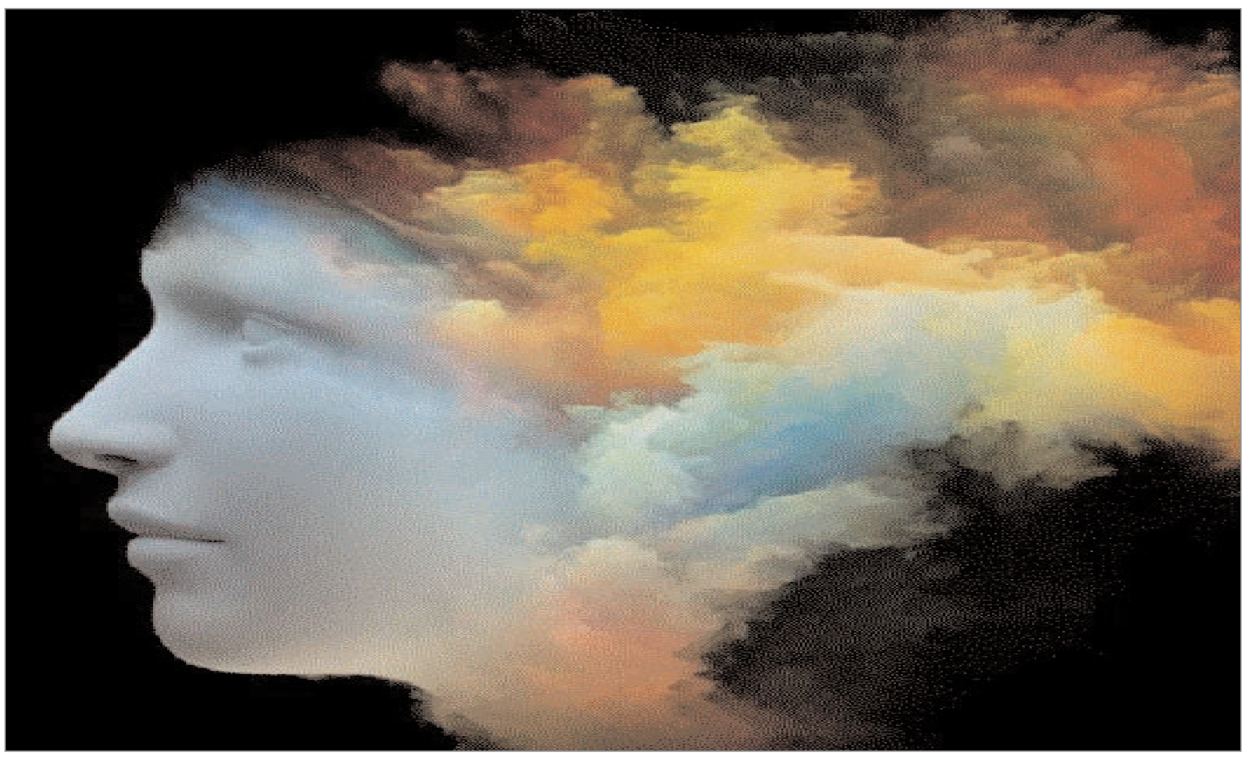

अपने हाथों को कम मत समझिए। पृथ्वी पर किसी भी अन्य प्राणी, यहां तक कि मानव के निकटतम प्राइमेट रिश्तेदारों के हाथ भी हमारे जैसे नहीं हैं, जो इतनी सटीक पकड़ और हेरफेर करने में सक्षम हों। यह दीगर बात है कि पहले के समय की तुलना में आज हम अपने हाथों से कम जटिल कार्य कर रहे हैं। पर क्या आप जानते हैं कि हाथों से कम, जटिल काम करते रहने का हमारे सोचने और महसूस करने पर भी असर पड़ता है? वर्जीनिया की एक यूनिवर्सिटी में व्यावहारिक मनोविज्ञान की प्रोफेसर डॉ. लैंबर्ट का कहना है कि जब हम किसी चीज के लिए प्रयास करते हैं, और वह चीज हमें मिलती है, तो दोनों के बीच एक संबंध होता है। वह यह भी मानती हैं कि अपने हाथों से काम करना मनुष्य को अद्वितीय रूप से संतुष्टि दे सकता है।

जानवरों पर किए गए एक शोध में भी यह बात सामने आई है कि जो चूहे भोजन खोदने के लिए अपने पंजों का इस्तेमाल करते हैं, उनमें तनाव झेलने की क्षमता दूसरे चूहों से ज्यादा होती है। डॉ लैबर्ट इस शोध के निष्कर्षों की तुलना मनुष्यों पर किए अध्ययनों से करती हैं। उन्होंने पाया कि बुनाई, बागवानी और रंग भरने जैसे काम करने वालों को संज्ञानात्मक और भावनात्मक लाभ होता है, जिससे याददाश्त भी अच्छी रहती है। कनाडा की ब्रिटिश कोलंबिया यूनिवर्सिटी में ऑक्युपेशनल थेरेपी की प्रोफेसर कैथरीन बेकमैन कहती हैं कि कढ़ाई जैसे कामों में दोहराव तो होता है, पर बार-बार एक ही चीज करने से इसके प्रभान %ध्यान% करने जैसे होते हैं। नौवें की एक यूनिवर्सिटी में मनोविज्ञान की प्रोफेसर ऑड्रे वॉन डेर मोर के अनुसार, हाथ से लिखने के फायदे कंप्यूटर पर टाइप करने से कहीं ज्यादा होते हैं। प्रोफेसर डॉ. रस्टी गेज कहती हैं कि हाथ से की गई क्रियाएं मस्तिष्क में नई कोशिकाओं के विकास में सहायक होती हैं। उनके अनुसार, जब आप कोई जटिल काम करते हैं, जिसमें निर्णय लेना और योजना बनाना शामिल होता है, तब यह काफी मायने रखता है कि आप अपने हाथों का उपयोग कर रहे हैं या नहीं। जैसे, जब आप बागवानी, हस्तशिल्प, चित्रकेला करते या फिर वाद्ययंत्र बजाते हैं, आपके हाथ और दिमाग एक आदर्श तालमेल दिखाते हैं। वह कहती हैं कि यह दुनिया त्रिआगामी है और ऐसे हाथ व दिमाग के तालमेल वाले रचनात्मक कार्यों की मदद से आप दुनिया से उसकी ही भाषा में बात कर सकते हैं।

हर सोल्जर एक संत होता है, सिनेमा के जरिये इंसानियत को कायम रखने पर मेरा जोर

देवभूमि, उत्तराखंड की मिट्टी में पले बढ़े अली अब्बास जफर हिंदी सिनेमा के उन चुनिंदा निर्देशकों में शामिल हैं जिनके नाम से दर्शक सिनेमाघरों में फिल्में देखने आते हैं। 'सुल्तान', 'टाइगर जिंदा है' और 'भारत' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में निर्देशित कर चुके अली ईद पर अपनी फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' लेकर आ रहे हैं। चर्चाएं ये भी हैं कि वह यशराज स्पाई यूनिवर्स की अगली फिल्म निर्देशित कर सकते हैं। इसके अलावा उनकी दो और फिल्मों 'सुपर सोल्जर' और 'मि. इंडिया 2' का भी उनके प्रशंसकों को बेसब्री से इंतजार है। फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' की रिलीज की तैयारियों में दिन-राज जुटे अली अब्बास जफर से 'अमर उजाला' के सलाहकार संपादक पंकज शुक्ल की खास मुलाकात।

फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' दो दोस्तों के बीच भाइयों जैसी मोहब्बत की कहानी सी दिखती है। भारतीय सेना के कौन से अलहदा रंग इस फिल्म में दिखने वाले हैं? सेना में नौकरी करने वाला हमारे देश का हर नौजवान वतन पर मर मिटने का जोश लेकर घर से निकलता है। लेकिन, इसके चलते वह हमेशा दुखी सा ही रहता हो, ऐसा भी नहीं है। ये वे लोग हैं जिन्होंने अपना जीवन वतन के नाम तो कर दिया है लेकिन इनके जीवन की उमंगें, उल्लास और उत्साह हम सबसे कहीं ज्यादा होता है। इन्हें देखकर ये सीखा जा सकता है कि कैसे अनुशासन के दायरे में रहकर जीवन को इसकी सारी रंगीनियों के साथ जिया जाए। अमेरिका के लोग तो कहते भी हैं जैसे उनके परदे के हीरो दिखते हैं, वैसे हीरो भारतीय सेना के अफसर और जवान असल में दिखते हैं। देखा जाए तो जिंदगी का साथ अपने हरफनमौला अंदाज में निभाता हर सोल्जर एक संत होता है।बीता साल एक्शन का साल रहा। इस साल हर तरह की फिल्में देखने लोग घरों से निकल रहे हैं। आपकी ये फिल्म 'गदर 2', 'जवान' और 'पठान' की ही एक्शन परंपरा को आगे बढ़ाएगी, या कुछ और भी इस फिल्म में है?

फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' एक ऐसी एक्शन फिल्म है जिसे देखते समय दर्शकों के चेहरे पर एक अलग ही मुस्कान दिखेगी। आमतौर पर एक्शन फिल्में देखते समय दर्शक सीटों से चिपके रहते हैं, यहां लोग हंसेंगे, ठहाके लगाएंगे और साथ में एक्शन का रोमांच भी देखेंगे। मेरी फिल्म 'एक्शन विद ए स्माइल ऑन फेस' फिल्म है। साथ में रिश्तों की संवेदनाएं हैं। मानवीय अनुभूतियां हैं और है एक ऐसी कहानी जो अपने आप में किसी सुपरस्टार जैसी है। फिल्म की कहानी एक ऐसा चमकता सितारा होती है, जिसके चारों तरफ बाकी सितारे मिलकर गैलेक्सी बनाते हैं।सलमान खान ने आपकी इस फिल्म के ट्रेलर की प्रशंसा की। शाहरुख खान और आमिर खान के साथ अलग-अलग एक्शन फिल्में करने की इच्छा भी आप हाल के दिनों में जता चुके हैं, तीनों को लेकर एक धमाकेदार एक्शन फिल्म क्यों नहीं?सलमान खान, शाहरुख खान और आमिर खान के साथ एक्शन फिल्में करने की मेरी तमन्नाएं शुरू से रही हैं। सलमान खान से मेरा रिश्ता 'सोल ब्रदर्स' जैसा है। उनके साथ फिल्में करके मैंने बहुत कुछ सीखा है और उनको करीब से जाना है। शाहरुख खान के साथ एक्शन फिल्म करना एक चुनौती जैसा होगा क्योंकि उनकी दो एक्शन फिल्में बीते साल ब्लॉकबस्टर रही हैं। रही बात तीनों खान सितारों को किसी एक एक्शन फिल्म में साथ लाने की तो पहले तो इसके लिए किसी को निर्माता को तैयार होना चाहिए। ये मुश्किल तो है लेकिन नामुमकिन नहीं। हां, वैसे भी 'बड़े मियां छोटे मियां' में तो तीन सितारों के साथ ही आपने बनाई है..

बिल्कुल ठीक कहा आपने, 'बड़े मियां छोटे मियां' में तीन हीरो हैं। अक्षय और टाइगर के अलावा पृथ्वीराज सुकुमारन भी फिल्म के हीरो हैं और वह कमाल के अभिनेता है। इस फिल्म को बनाते समय मेरे जहन में 'त्रिदेव' और 'विश्वात्मा' जैसी फिल्में रही हैं। पृथ्वीराज का चेहरा अभी तक दर्शकों ने देखा नहीं है। न टीजर में, न ट्रेलर में। मेरा मानना है कि फिल्म का ट्रेलर हमेशा ऐसा होना चाहिए कि उससे ज्यादा दर्शकों को फिल्म में दिखे। किसी भी फिल्म का ट्रेलर एक तरह की उम्मीदों का पैमाना तय करता है। हर फिल्म को अपने ट्रेलर से कही ज्यादा दर्शकों को देना चाहिए। मैं ये वादा कर सकता हूं कि 'बड़े मियां छोटे मियां' अपने ट्रेलर से 10 गुना ज्यादा आनंद दर्शकों को देगी। आपके सिनेमा में शुरू से भारत की विविधताओं के रंग रहे हैं। 'बड़े मियां छोटे मियां' में भी ऐसा कुछ है फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' 10 अप्रैल को ईद पर रिलीज हो रही है। उससे एक दिन पहले पूरे देश में नवरात्रि और नववर्ष शुरू हो रहे हैं। इन उत्सव पर्वों से बेहतर मेरी फिल्म के लिए रिलीज का दूसरा समय और क्या हो सकता है? मेरी फिल्मों का संदेश कह लें या मकसद, यही रहा है कि हम सब एक दूसरे की खुशियों में शामिल हों। लोकप्रिय होना, धनवान होना, ये सब कोई भी हासिल कर सकता है लेकिन मेरे सिनेमा की पहली प्राथमिकता है कि हीरो को अच्छा इंसान होना चाहिए। मेरा सिनेमा इंसानियत को कायम रखने पर जोर देता है।आपकी दो फिल्मों का आपके प्रशंसकों का बेसब्री से इंतजार रहा है, पहले 'सुपर सोल्जर' की बात करते हैं..

'सुपर सोल्जर' एक महिला प्रधान एक्शन हीरो फिल्म है। इसकी पटकथा बेहद कमाल की है। कैटरीना कैफ को ध्यान में रखकर ही ये फिल्म लिखी गई। लेकिन, इसका एक्शन बहुत विशाल स्तर का है और जिसे फिल्माने के लिए हमें बहुत विस्तार से तैयारियों की जरूरत है। ये एक बहुत ही खतरनाक एक्शन फिल्म है, कुछ कुछ 'किल बिल' जैसी।

और, 'मिस्टर इंडिया 2'!

हां, इन दिनों इस फिल्म की बातें बहुत हो रही हैं। इसकी सीक्वल भी पाइप लाइन में हैं। मूल फिल्म के अधिकार जी स्टूडियोज के पास हैं। इसे देश की पहली सुपरहीरो फिल्म का तमगा भी मिला हुआ है। 'मिस्टर इंडिया 2' को हम उसी मूल भावना के साथ बनाना चाहते हैं जो 'मिस्टर इंडिया' की है। ये एक विज्ञान आधारित सुपरहीरो फिल्म है। पहली फिल्म में एक वैज्ञानिक प्रयोग के चलते इंसान को अलौकिक शक्तियां मिलती हैं। इसकी सीक्वल भी ऐसे ही एक वैज्ञानिक प्रयोग पर आधारित है।

गोविंदा की टीम ने वाशु भगनानी के लेट-लतीफी वाले बयान पर जताई नाराजगी, मैनेजर ने किया पलटवार

निर्माता वाशु भगनानी के प्रोडक्शन हाउस की फिल्म बड़े मियां और छोटे मियां रिलीज के लिए तैयार है। अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ स्टारर इस फिल्म का प्रमोशन जोर-शोर से जारी है। हाल ही में एक साक्षात्कार में फिल्म के निर्माता वाशु भगनानी ने गोविंदा को लेकर बयान दिया था, जिस पर अब गोविंदा के मैनेजर की प्रतिक्रिया सामने आई है। दरअसल, गोविंदा ने वाशु भगनानी के साथ हीरो नंबर 1, साल 1998 की हिट फिल्म बड़े मियां छोटे मियां जैसी कई हिट फिल्मों में काम किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हाल ही वाशु ने एक बयान देते हुए साल 1997 में आई हिट फिल्म हीरो नंबर 1 की शूटिंग को याद किया था, जिसका निर्देशन डेविड धवन कर रहे थे। वाशु भगनानी ने कहा, लोग गोविंदा के बारे में कुछ भी कह सकते हैं, लेकिन मेरा उनके साथ हमेशा से अछा ट्रैक रिकॉर्ड रहा है। कभी-कभी तो वह दो घंटे पहले भी सेट पर पहुंच जाते थे। वह हमेशा काम वक्त पर खत्म करते थे। हां, स्विट्जरलैंड में हीरो नंबर 1 की शूटिंग के दौरान गोविंदा एक बार तीन दिन तक लोकेशन पर नहीं पहुंचे जिसके चलते 75 लोगों की पूरी यूनिट तीन दिन तक बेकार बैठी रही। हालांकि, जब वह पहुंचे तो उन्होंने अपना अधिकतर काम एक ही दिन में पूरा कर लिया जो तारीफ के लायक है। अब गोविंदा के मैनेजर शशि सिन्हा ने वाशु भगनानी के बयान पर प्रतिक्रिया दी है। शशि ने वाशु भगनानी के बयान के पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, मुझे ऐसी कोई घटना याद नहीं है। गोविंदा की फिल्मों की शूटिंग को लेकर शेड्यूल के हिसाब तालमेल बिठाने की जिम्मेदारी मेरी थी। अगर वे सेट पर दो या तीन घंटे की देरी से आए होंगे तो वह स्वास्थ्य या उड़ान में देरी के कारण ऐसा हुआ होगा। शशि ने आगे कहा, वाशु भगनानी ने भी अपने बयान में यह कहा कि भले ही गोविंदा को देर हो गई, लेकिन उन्होंने अपना सारा काम समय पर पूरा किया। हम उनका सम्मान करते हैं। शुरुआती दिनों में हमने उनके साथ बहुत काम किया है। इतने वर्षों के बाद अब इन सारी बातों का कोई मतलब नहीं है। अगर उन्हें कोई परेशानी है तो हम साथ में बैठकर समाधान निकालने को तैयार हैं।

फिल्मों की असफलता पर छलका कृति का दर्द

बोलीं- लोग हीरोइन पर फोड़ देते हैं फ्लॉप होने का ठीकरा

अभिनेत्री कृति सेनन इन दिनों अपनी फिल्म क्रू की वजह से चर्चा में बनी हुई हैं। इस फिल्म में दर्शकों को उनका किरदार काफी पसंद आ रहा है। क्रू से पहले कृति की फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया भी बॉक्स ऑफिस पर अछा प्रदर्शन करने में कामयाब रही थी। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान कृति अपनी फिल्म के अलावा बॉलीवुड में अभिनेत्रियों के हालात पर खुलकर बातें करती नजर आईं।

असफलता के लिए अभिनेत्री जिम्मेदार कृति सेनन धीरे-धीरे बॉलीवुड में अपनी पहचान बनाने में कामयाब रही हैं, लेकिन उनके लिए यह सफर बिल्कुल भी आसान नहीं रहा है। कृति कहती हैं, देखिए फिल्म इंडस्ट्री में अक्सर फिल्मों की असफलता के लिए अभिनेत्रियों की जिम्मेदार ठहरा दिया जाता है। जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है। किसी भी फिल्म का हिट होना या फ्लॉप होना किसी एक व्यक्ति के हाथ में नहीं रहता है। इसके लिए पूरी टीम जिम्मेवार होती है।

ट्रोल से नहीं पड़ता फर्क कृति सेनन अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, मेरे साथ कई बार ऐसा हो चुका है। मैंने काफी बार सुना है कि फलां फिल्म मेरी वजह से फ्लॉप हुई है। पहले मुझे इस बात से काफी तकलीफ होती थी, लेकिन अब मुझे फर्क नहीं पड़ता है। मुझे अब आदत हो गई है। फिल्म इंडस्ट्री और इंडस्ट्री के बाहर भी किसी भी चीज के लिए लड़कियों पर आरोप लगा देना आसान होता है। आप देख लीजिए क्रिकेट के मैदान से लेकर हर जगह असफलता के लिए लड़कियों को तुरंत लोग ब्लेम कर देते हैं।

कृति का वर्क-फ्रंट कृति सेनन की फिल्म क्रू बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। इस फिल्म में उनके साथ तब्बू और करीना कपूर अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। इस फिल्म के अलावा आने वाले दिनों में कृति काजोल के साथ फिल्म दो पत्ती में दिखाई देंगी।

बोनी कपूर ने की अर्जुन की तारीफ, अभिनेता को मजबूत बताते हुए बोले- उसके सितारे भी होंगे बुलंद

निर्माता बोनी कपूर इन दिनों अपनी प्रोडक्शन हाउस की फिल्म मैदान को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म 10 अप्रैल को रिलीज होगी, जिसका प्रमोशन जोर-शोर से जारी है। हाल ही में फिल्म के प्रमोशन के दौरान बोनी कपूर ने एक साक्षात्कार में बेटे अर्जुन कपूर को लेकर बातचीत की। उन्होंने अपनी पहली पत्नी मोना शौरी से अलग होने के वक्त को याद करते हुए अर्जुन को परिवार का सबसे मजबूत सदस्य करार दिया। साथ ही अभिनेता के करियर को लेकर भी बातचीत की।

साक्षात्कार में बोनी कपूर ने कहा, मुझे लगता है कि वह परिवार में सबसे मजबूत है। हालांकि, जहां तक जिंदगी और करियर का सवाल है। वह फिलहाल उसके लिए उतार-चढ़ाव भरा है। किसी तरह की उथल-पुथल से गुजर रहे हैं। बातचीत के दौरान बोनी ने दावा किया कि वे एक प्रतिभाशाली अभिनेता हैं और उनका सितारा भी बुलंद होगा।

साक्षात्कार में बोनी कपूर ने माना कि अर्जुन ने माता-पिता का तलाक और फिर अपनी मां के निधन की कठिनाइयों का सामना किया, लेकिन इसके बावजूद वह उन्होंने मजबूती दिखाई। बोनी ने कहा, मैं मोना से अलग हो गया था, इसका खामियाजा उसे अपने स्कूल में भुगतना पड़ा। इसके बाद उनकी मां का निधन हो गया, जो एक बहुत मुश्किल दौरा था।

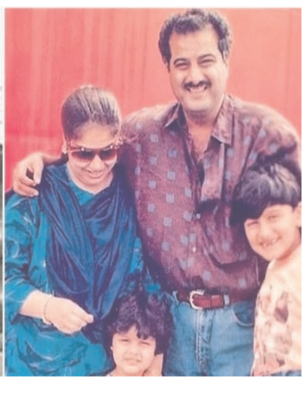

वहीं, अर्जुन के करियर को लेकर बोनी ने कहा, अर्जुन में मजबूत बने रहने और खुद को संभालने की ताकत है। इतनी कठिनाई झेलने के बाद उसकी कुछ फिल्में नहीं चलीं, जो एक झटका है, लेकिन उसने खुद को संभाला और असफलताओं के बीच खुद को मजबूत बनाए रखा है। अर्जुन को बस एक सही मौका का इंतजार है। उसने कुछ गलत चुनाव किए हैं, लेकिन उसका समय आएगा।

गौरतलब है कि अर्जुन निर्देशक रोहित शेट्टी की सिंघम अगेन में खलनायक की भूमिका में नजर आने वाले हैं। फिल्म में अजय देवगन, दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह, अक्षय कुमार, करीना कपूर, टाइगर श्रॉफ, करीना कपूर खान और जैकी श्रॉफ भी नजर आने वाले हैं। इसके अलावा वे वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ के साथ नो एंट्री 2 में भी दिखाई देंगे।

चलिए आपको ले चलते हैं महाराष्ट्र के वई, मंदिर, घाट, तालाब देख काशी याद आ जाएगी

विक्की कौशल अपनी आने वाली फिल्म छावा को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। विक्की ने हाल ही में एक पोस्ट साझा कर बताया कि वई शहर में हो रही फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। विक्की की फिल्म से पहले वई में कई बॉलीवुड फिल्मों की शूटिंग हो चुकी है। हिंदी फिल्मों के लिए महाराष्ट्र में ये बेहद ही मशहूर जगह है। यहां की प्राकृतिक सुंदरता के चलते पर्यटकों को ये जगह बेहद पसंद है। वई में न सिर्फ हिंदी फिल्में बल्कि मराठी फिल्में और टेलीविजन शो भी शूट किए जाते हैं। महाराष्ट्र का एक छोटा सा शहर वई पुणे से 90 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। वई में जिस देश में गंगा रहता है, स्वदेस, गंगाजल, ओमकारा, दबंग, दबंग 2, इश्किया, सिंघम, बोल बचन, जिला गाजियाबाद जैसी कई अन्य फिल्मों की शूटिंग वई में हुई है। सलमान खान का गाना हुड़ हुड़ दबंग वई के मशहूर मंदिर के पास शूट किया गया था। रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी फिल्म चेन्नई एक्सप्रेस के कुछ सीन भी इसी शहर में शूट किए गए हैं। दीपिका पादुकोण और शाहरुख खान का टकराव वाला सीन यहीं पर शूट किया गया था। किंग खान की 2004 में आई फिल्म स्वदेश की शूटिंग भी वई में हुई थी। एक मीडिया रिपोर्ट में बताया गया कि फिल्म के ये तारा वो तारा गाने की शूटिंग के लिए स्वदेश की टीम सात महीने तक वई में ही रुकी थी।

पति मनोज बाजपेयी के साथ होगी शबाना रजा की वापसी, साथ काम करने को लेकर मिल गई हरी झंडी

निर्माता-निर्देशक विधु विनोद चोपड़ा ने साल 1998 में रिलीज अपनी फिल्म 'करीब' में अभिनेता बॉबी देओल के साथ एक नई हीरोइन को बड़े परदे पर लॉन्च किया था। उस समय नेहा नाम से फिल्म दर्शकों के सामने आई इन अभिनेत्री का असली नाम दर्शकों को बाद में तब पता चला, जब अभिनेता मनोज बाजपेयी से उन्होंने शादी कर ली। अब शादी के कोई 18 साल बाद शबाना फिर से बड़े परदे पर वापसी की तैयारी में हैं।

अपने असली नाम शबाना रजा की बजाय नेहा नाम से तमिल और कन्नड़ समेत करीब एक दर्जन फिल्मों में काम कर चुकीं मनोज बाजपेयी की पत्नी अब अपनी दूसरी पारी खेलने की पूरी तैयारी कर चुकी हैं। वह इन दिनों अपनी वापसी के लिए सबसे मुफीद फिल्म को फाइनल करने में व्यस्त हैं। नेहा के नाम से शबाना रजा ने आखिरी फिल्म 'एसिड फैक्ट्री' शादी के तीन साल बाद साल 2009 में की थी। और इस फिल्म के निर्देशक सुपर्ण वर्मा की फिल्म से ही उनकी वापसी भी होती बताई जा रही है।

सुपर्ण वर्मा और मनोज बाजपेयी की दोस्ती तब से जब सुपर्ण वर्मा फिल्म पत्रकार हुआ करते थे। बताते हैं कि मनोज के शुरुआती दिनों में सुपर्ण ने उनकी मदद भी खूब की। मनोज की बीते साल की सुपरहिट फिल्म 'सिर्फ एक बंदा काफी है' के अलावा उनकी अगले महीने रिलीज होने वाली फिल्म 'भैयाजी' से भी सुपर्ण वर्मा जुड़े हुए हैं। सुपर्ण वर्मा के जरिये कुछ कहानियां शबाना रजा तक पहुंची है और अब विकल्प ये देखा जा रहा है कि उनकी वापसी सोलो हीरोइन के तौर पर हो या फिर मनोज बाजपेयी की हीरोइन के तौर पर।

मनोज बाजपेयी इन दिनों ओटीटी के सबसे सफल अभिनेताओं में शुमार हैं और वह खुद भी अपनी पत्नी की इस दूसरी पारी के लिए खासे उत्साहित दिखते हैं। अपनी नई फिल्म 'साइलेंस 2' के प्रचार में व्यस्त मनोज कहते हैं, वह एक बहुत ही खुद्दार महिला हैं और अगर मैं खुद उनके लिए कोई फिल्म बनाना चाहूं तो शायद वह इसके लिए तैयार नहीं होंगी। हां, हम दोनों को एक साथ किसी फिल्म में काम करने में बहुत खुशी होगी। लेकिन, इसके लिए शर्त यही है कि इसका निर्माता मैं नहीं बन सकता। हमारी इस बारे में बातें भी हो चुकी हैं और मुझे बहुत खुशी होगी अगर वह बतौर अभिनेत्री कैमरे के सामने अपनी दूसरी पारी शुरू करती हैं।

मनोज बाजपेयी के साथ अगर शबाना रजा की वापसी कैमरे के सामने होती है, तो इसका सीधा फायदा शबाना को मिलेगा। माना जा रहा है कि शबाना कुछ कुछ वही रास्ता अपनाने वाली हैं जो 90 के दशक की हीरोइन रवीना टंडन ने अपनाया।

मोतियाबिंद के शिविर में आठ लोगों की आंखों की रोशनी जाने की शिकायत ऑपरेशन थियेटर किया सील

इंदौर। चोइथराम नेत्रालय में हाल ही में मोतियाबिंद की सर्जरी कराने वाले आठ मरीजों की संक्रमण के कारण उनकी आंखों की रोशनी चली जाने की शिकायत स्वास्थ्य विभाग को मिली थी। यह सर्जरी 20 मार्च को नेशनल प्रोग्राम फार कंट्रोल आफ ब्लाइंडनेस (एनपीसीबी) के तहत एक शिविर में की गई थी। घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अस्पताल के आपरेशन थिएटर को सील कर दिया, जहां सर्जरी की गई थी। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग द्वारा इस मामले में तीन सदस्यीय जांच पैनल का गठन किया गया, जबकि जिला कलेक्टर आशीष सिंह ने भी इसकी रिपोर्ट मांगी है।एनपीसीबी के जिला नोडल अधिकारी डा. प्रदीप गोयल के मुताबिक 20 मार्च को राष्ट्रीय दृष्टिहीनता नियंत्रण कार्यक्रम (एनपीसीबी) के तहत शिविर में चोइथराम नेत्रालय में आठ मरीजों की मोतियाबिंद की सर्जरी की गई, जिनमें से अधिकांश मरीज इंदौर, उज्जैन और धार जिलों के थे। शिविर में करीब 79 मोतियाबिंद सर्जरी की गई और मरीजों को अगले दिन छुट्टी दे दी गई थी। जिसमें से चार मरीजों को कुछ संक्रमण और आंखों की रोशनी कम होने की शिकायत आई। जांच के बाद प्रभावित मरीजों की संख्या बढ़कर आठ हो गई है। 50 से 85 वर्ष की आयु के मरीजों को सर्जरी के अगले दिन सूजन, जलन और आंखों की रोशनी कम होने की समस्या होने लगी। स्वास्थ्य विभाग की एक टीम ने कल्चर परीक्षण के लिए ओटी के नमूने भी एकत्र किए थे, जो नकारात्मक पाए गए। हम मामले की जांच कर रहे हैं और सोमवार को प्रभावित मरीजों को बुलाएंगे। ओटी को पहले ही सील कर दिया गया है और अस्पताल से स्पष्टीकरण मांगा गया है। संक्रमण का कारण पता नहीं चल सका है। हमारी टीम मामले की जांच कर रही है और हम मरीजों को सभी चिकित्सा सहायता प्रदान कर रहे हैं। इनमें से अधिकतर मरीज ठीक हो रहे हैं और इलाज के बाद उनकी आंखों की रोशनी वापस आ जाएगी।

भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ बोले-

पार्टियों के नहीं, बल्कि संविधान के प्रति रहें वफादार

नागपुर। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि वकीलों को अदालत और भारतीय संविधान को अपने राजनीतिक झुकाव और विश्वास से ऊपर रखना चाहिए। नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए, सीजेआई चंद्रचूड़ ने एक चिंता जताते हुए भी कहा कि वे लंबित मामलों और अदालती फैसलों पर वकीलों द्वारा टिप्पणी करने की प्रवृत्ति से बहुत परेशान हैं। सीजेआई नागपुर उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के शताब्दी वर्ष समारोह को संबोधित कर रहे थे।

सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा हमारे जैसे जीवंत और तर्कशील लोकतंत्र में, अधिकांश व्यक्तियों की एक राजनीतिक विचारधारा और झुकाव होता है। अरस्तू के शब्दों में, मनुष्य राजनीतिक प्राणी हैं। वकील कोई अपवाद नहीं हैं। हालांकि, बार के सदस्यों के लिए, किसी की सर्वोच्च निष्ठा पक्षपातपूर्ण हित के साथ नहीं बल्कि अदालत और संविधान के साथ होनी चाहिए। कई मायनों में, एक स्वतंत्र बार कानून के शासन और संवैधानिक शासन की रक्षा के लिए नैतिक कवच है।

उन्होंने कहा कि बार के सदस्य अदालत के पहले और सबसे महत्वपूर्ण अधिकारी हैं जिनके हाथों में कानूनी चर्चा की गरिमा और सच्चाई है। उन्होंने कहा, ह्यह्लइस अर्थ में, बार में अदालत और नागरिकों के बीच एक पुल के रूप में काम करने की क्षमता है। अपनी भूमिका को पूरा करने में, बार जटिल कानूनी अवधारणाओं और उदाहरणों को प्रभावी ढंग से जनता के लिए सुलभ भाषा में अनुवाद कर सकता है, जिससे हमारे संवैधानिक मूल्यों और हमारे निर्णयों के वास्तविक उद्देश्य की गहरी समझ को बढ़ावा मिलता है।

लंबित मामलों में वकीलों की टिप्पणी चिंताजनक- भारत के मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा कि आगे न्यायपालिका के कंधे चौड़े हैं और वह प्रशंसा के साथ ही आलोचना भी स्वीकार कर सकती है लेकिन लंबित मुकदमों या फैसलों पर वकीलों की टिप्पणी बहुत चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि बार के पदाधिकारियों और सदस्यों को न्यायिक निर्णयों पर प्रतिक्रिया देते वक्त यह नहीं भूलना चाहिए कि वे अदालत के अधिकारी हैं, आम आदमी नहीं।

संस्था के तौर पर हमारे कंधे चौड़े- उन्होंने कहा कि एक संस्था के रूप में बार न्यायिक स्वतंत्रता, संवैधानिक मूल्यों और अदालत की प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए आवश्यक है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि उच्चतम नयायालय की संवैधानिक पीठ के फैसले कठिन कार्यवाही, व्यापक न्यायिक विश्लेषण और संवैधानिक सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम होते हैं। उन्होंने कहा, ह्यह्ललेकिन एक बार जब फैसला सुना दिया जाता है तो यह सार्वजनिक संपत्ति है। एक संस्था के तौर पर हमारे कंधे चौड़े हैं। हम प्रशंसा और आलोचना दोनों स्वीकार करने के लिए तैयार हैं...। उन्होंने कहा कि लेकिन बार एसोसिएशन के सदस्य और पदाधिकारी होने के नाते वकीलों को अदालत के निर्णयों पर प्रतिक्रिया देते समय आम आदमी की तरह टिप्पणी नहीं करनी चाहिए।

'खरगे ने अनजाने में किया मोदी-शाह के गेमप्लान का खुलासा', कांग्रेस का बीजेपी पर बड़ा आरोप

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा एक जनसभा में अनुच्छेद 370 की जगह 371 बोलने पर विवाद बढ़ता जा रहा है। आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। पहले जहां केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने खरगे को आड़े हाथ लिया। वहीं, अब कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने शाह पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष ने अनजाने में मोदी-शाह के गेमप्लान का खुलासा कर दिया। हाल ही में राजस्थान के चुरु में एक जनसभा के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अनुच्छेद 370 का जिक्र किया था, लेकिन उनकी जुबान फिसल गई। खरगे के मुंह से 370 की जगह 371 निकल गया था। दरअसल कांग्रेस अध्यक्ष कह रहे थे, 'अमित शाह यहां आकर कहते हैं कि उन्होंने कश्मीर में अनुच्छेद 371 हटा दिया। अरे भई यहां के लोगों को इससे क्या वास्ता है? ठीक है आप ये बातें कश्मीर में जाकर बोल सकते हैं, जम्मू में बोल सकते हैं लेकिन यहां इसका कोई मतलब नहीं।' केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस अध्यक्ष के इस बयान को आड़े हाथों लिया और कह दिया था कि यह सुनना बेहद शर्मनाक है। उन्होंने एक्स पर लिखा था, 'मैं कांग्रेस पार्टी को याद दिलाना चाहूंगा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और प्रत्येक राज्य और नागरिक का जम्मू-कश्मीर पर अधिकार है, जैसे जम्मू-कश्मीर के लोगों का शेष भारत पर अधिकार है। कांग्रेस को यह नहीं पता कि कश्मीर में शांति और सुरक्षा के लिए राजस्थान के कई वीर सपूतों ने अपने प्राणों की आहुति दी है। लेकिन यह सिर्फ कांग्रेस नेताओं की गलती नहीं है। भारत के विचार को न समझ पाने के लिए अधिकतर कांग्रेस पार्टी की इटालियन संस्कृति ही दोषी है। ऐसे बयानों से हर उस देशभक्त नागरिक को ठेस पहुंचती है जो देश की एकता और अखंडता की परवाह करता है।' शाह के आलोचना पर पलटवार करते हुए कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, 'जयपुर में एक भाषण के दौरान खरगे जी की जुबान फिसलने से उन्होंने गलती से कह दिया था कि मोदी अनुच्छेद 371 को समाप्त करने का श्रेय लेते हैं। उनका मतलब साफ तौर पर अनुच्छेद 370 से था, लेकिन अमित शाह तुरंत कांग्रेस अध्यक्ष पर भड़क गए। हालांकि, सच्चाई यह है कि मोदी नागालैंड से संबंधित अनुच्छेद 371-ए , असम से संबंधित अनुच्छेद 371-बी, मणिपुर से अनुच्छेद 371-सी, सिक्किम से संबंधित अनुच्छेद 371-एफ, मिजोरम से संबंधित अनुच्छेद 371-जी और अरुणाचल प्रदेश से संबंधित अनुच्छेद 371-एच को बदलना चाहते हैं।' कांग्रेस नेता ने आगे कहा, 'संयोग से खरगे पूर्ववर्ती हैदराबाद-कर्नाटक क्षेत्र से संबंधित अनुच्छेद 371-जे के लिए अकेले जिम्मेदार थे, जिसे उन्होंने डॉ. मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री बनने के बाद पूरा किया। अमित शाह इस बात से भड़क गए कि कांग्रेस अध्यक्ष ने 'अनजाने में' अनुच्छेद 371 पर मोदी-शाह के गेमप्लान का खुलासा कर दिया।

एमपी के शाजापुर की सड़कों पर गूंजे मां हिंगलाज के जयकारे

शहर में निकाला फूलपाती चल समारोह, जगह-जगह हुआ स्वागत

भगवान दास बैरागी। सिटी चीफ शाजापुर, भावसार समाज ने शनिवार को कुलदेवी मां हिंगलाज का प्राकट्य दिवस धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर समाज की धर्मशाला से एक चल समारोह शुरु हुआ जिसका जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर समाजजनो ने विभिन्न धार्मिक आयोजन किए।

कार्यक्रम की शुरुआत भावसार मोहल्ला स्थित मां हिंगलाज माता के मंदिर से हुई। शाम करीब 5 बजे समाजजनों ने भावसार धमर्शाला परिसर से एक चल समारोह निकाला। चल समारोह में समाज के पुरुष एवं समाज की महिलाएं, बच्चे और युवा बड़ी संख्या में शामिल रहे। धमर्शाला परिसर से शुरू हुआ चल समारोह सोमवारिया बाजार, छोटा चौक, आजाद चौक, नई सड़क होता हुआ पुलिस लाइन रोड स्थित श्री राम मंदिर पहुंचा। मंदिर में समाजजनों ने भगवान श्रीराम का पूजन किया। इसके बाद चल समारोह नागनागनी रोड, सोमवारिया बाजार होते हुए धमर्शाला परिसर में पहुंचकर संपन्न हुआ। चल समारोह में बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए, जिनका विभिन्न चौक-चौराहों पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। चल समारोह के दौरान पुलिस प्रशासन द्वारा भी पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।

विभिन्न प्रतियोगिता के विजेताओं को बांटे पुरस्कार- भावसार समाज महिला मंडल द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। इन प्रतियोगिताओं में समाज के बच्चों, युवतियों और महिलाओं नें भाग लिया। शनिवार को चल समारोह जब धमर्शाला परिसर में पहुंचा तो यहां पर सर्वप्रथम पिछले दिनों आयोजित की गई प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। बाद में समाज की कुल देवी मां हिंगलाज की पूजा अर्चना की गई। इसके बाद महाआरती का आयोजन हुआ। साथ ही समाज को मार्गदर्शन देने वाले वरिष्ठों को भी समाज के पदाधिकारियों ने सम्मानित किया। इस अवसर पर भावसार समाज अध्यक्ष तुलसीराम भावसार, नवयुवक मंडल अध्यक्ष विकास भावसार (लाला), महिला मंडल अध्यक्ष निशा बराड़े सहित बड़ी संख्या में भावसार समाज पदाधिकारी, महिला, पुरुष व बच्चे उपस्थित थे। कार्यक्रम के पश्चात समाजजनों के सहभोज का आयोजन किया गया।

सुबह हिंगलाज टेकरी पर पहुंचकर किया पूजन- कुलदेवी मां हिंगलाज के प्राकट्य दिवस पर समाजजनों में उत्साह देखने को मिला। सुबह समाज के युवा और पुरुषों ने टुकराना रोड स्थित मां हिंगलाज टेकरी पहुंचकर माता का पूजन किया। यहां आरती कर प्रसादी का वितरण किया गया। इसके बाद संध्याकाल में समाज द्वारा वृहद रूप से आयोजन करते हुए चल समारोह निकालकर महाआरती और महाप्रसादी का आयोजन किया गया।

मप्र के कटनी से तीन तलाक का मामला आया सामने

पति ने मारपीट कर तलाक, तलाक, तलाक कह कर घर से निकला

कटनी, केंद्र सरकार ने भले ही तीन तलाक के खिलाफ कानून लाकर तीन तलाक पर पूरी तरह पाबंदी लगा दी हो लेकिन यह सामाजिक कुरीति अभी भी समाज में कायम है। 15 से 20 दिन पहले कोतवाली थाना क्षेत्र की एक महिला को उसके पति ने मारपीट करने के बाद घर से निकालते हुए तलाक, तलाक, तलाक कह कर उसे अपने जीवन और घर से बाहर निकाल कर फेंक दिया। मारपीट और तीन तलाक का शिकार होने के बाद महिला अपनी शिकायत लेकर पुलिस के सामने गिड़गिड़ाती रही लेकिन उसकी किसी ने नहीं सुनी। महिला जब तीन तलाक की शिकायत लेकर महिला थाने पहुंची तो वहां पर मौजूद थाना प्रभारी ने उसकी शिकायत तक दर्ज करना जरूरी नहीं समझा। थक हार कर पीड़ित महिला पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन के पास जा पहुंची। पुलिस अधीक्षक ने इस मामले में संबंधित थाने को महिला का मुलाहजा कराकर अग्रिम कार्यवाही करने के निर्देश दिए, जिसके बाद पुलिस के द्वारा पीड़ित महिला को महिला परामर्श केंद्र भेजा गया। जहां पर दो पेशी करने के बाद उसने पति के साथ तलाक हो जाने के कारण रहने से इनकार करते हुए कार्यवाही की मांग रखी। जिसके बाद कटनी एसपी अभिजीत रंजन ने कोतवाली थाने के प्रभारी को एफआईआर दर्ज कराने का निर्देश दिया जिसके बाद कोतवाली थाने में तीन तलाक के मामले में एफआईआर दर्ज कराते हुए पूरे मामले में कार्यवाही करना शुरू कर दी है।

कटनी जिले के एसपी अभिजीत रंजन ने बताया की अहमद नगर निवासी पीड़ित महिला फिरदौस पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची आपनी पूरी आपबीती बताई जिसके बाद उन्होंने कोतवाली थाना प्रभारी को महिला की शिकायत दर्ज करने के निर्देश दिए। एसपी के हस्तक्षेप के बाद महिला की शिकायत कोतवाली थाने में दर्ज की जा सकी। 15 दिन से भटक रही पीड़ित महिला ने बताया की कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले अहमदनगर निवासी है बीते 14 से 15 मार्च की देर रात लगभग 1:30 बजे उसके पति अमीर खान ने बेरहमी से पीटा और उसके पति ने महिला को लात घूसों, डंडे और रॉड से इस कदर मारा की महिला के कमर की हड्डी तक चोटिल हो गई। मारपीट करने के बाद रात में ही पीड़ित महिला के पति ने तलाक तलाक तलाक कहते हुए उसे तलाक देकर अपने घर से धक्के मार कर निकाल दिया। कोतवाली थाने में वह पति द्वारा घर से निकाले जाने के बाद महिला ने पूरे घटनाक्रम की जानकारी अपने मायके पक्ष को दी। घटना के बाद वह शिकायत लेकर संबंधित थाने पहुंची लेकिन वहां पर तीन तलाक का मामला दर्ज करने के बजाय धारा 155 के तहत कार्यवाही करते हुए महिला को वहां से चलता कर दिया गया। इसके बाद महिला अपनी शिकायत महिला थाने लेकर पहुंची जहां पर मौजूद अधिकारी ने उसकी एक न सुनी और कई दिनों तक शिकायत दर्ज कराने के लिए उसे थाने के चक्कर लगवाती रही। महिला थाने में शिकायत दर्ज नहीं होने के बाद पीड़ित महिला पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन के पास पहुंची जहां पर एसपी के निर्देश के बाद महिला का मुलायजा कराया गया और पति-पत्नी के बीच सुलह कराने के लिए उन्हें परिवार परामर्श केंद्र भी भेजा गया। परिवार परामर्श केंद्र में दो पेशियां करने के बाद पीड़ित महिला ने तलाक हो जाने के कारण पति के साथ रहने से साफ इनकार कर दिया और उसने कार्यवाही की मांग रखी। इसके बाद पीड़ित महिला एक अधिवक्ता की मदद से दोबारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची जहां पर उसने तीन तलाक का प्रकरण दर्ज कराए जाने की फिर से मांग की। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए एसपी अभिजीत रंजन ने तत्काल ही कोतवाली थाना प्रभारी आशीष शर्मा को महिला का प्रकरण दर्ज कराने के निर्देश दिए। इसके बाद महिला के बयान दर्ज करते हुए एफआईआर दर्ज कराते हुए अग्रिम कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है।

कटनी में एसएसबी एवं पुलिस बल द्वारा निकाला गया फ्लैग मार्च

लोकसभा निर्वाचन 2024 को दृष्टिगत् रखते हुए एरिया डोमिनेशन के तहत हुआ मार्च

सुनील यादव। सिटी चीफ कटनी, लोकसभा निर्वाचन को दृष्टिगत् रखते हुए पुलिस अधीक्षक अभिजीत रंजन के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष डेहरिया, नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती ख्याति मिश्रा के मार्गदर्शन एवं रक्षित निरीक्षक श्रीमती संध्या राजपूत एवं थाना प्रभारी कोतवाली आशीष शर्मा एवं *xyTH BN SSB West Bengal* के असिस्टेंट कमांडेंट स्वराज कमाल के नेतृत्व में थाना कोतवाली के वल्नरेबल एरिया, संवेदनशील क्षेत्रों एवं संवेदनशील मतदान केन्द्रों में लोकसभा चुनाव हेतु जिलें को आवंटित केन्द्रीय पुलिस बल एसएसबी एवं जिला पुलिस बल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा फ्लैग मार्च किया गया।

केन्द्रीय पुलिस बल - एसएसबी एवं जिला पुलिस बल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा पुलिस थाना कोतवाली अन्तर्गत सुभाष चौक, बरही नाका, खिरहनी फाटक, गर्ग तिराहा, कारगिल चौक,झंडा बाजार, शेर चौक आजाद चौक, मिशन चौक इत्यादि वल्नरेबल एरिया, संवेदनशील क्षेत्रों में फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च के दौरान शहर के सभी थाना प्रभारियों सहित केन्द्रीय पुलिस बल एसएसबी एवं जिला पुलिस बल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा हिस्सा लिया गया। तदुपरांत केन्द्रीय पुलिस बल एसएसबी एवं जिला पुलिस बल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा पुलिस थाना कुठला अन्तर्गत पुरैनी, इंदिरा नगर, कन्हवारा में फ्लैग मार्च किया गया। उक्त फ्लैग मार्च के माध्यम से आम जनता में सुरक्षा का भाव और यह संदेश पहुचाना कि, निष्पक्ष, निर्भिक व स्वंत्रतता पूर्वक चुनाव हेतु, पुलिस उनके साथ है तथा पुलिस आपराधिक एवं असामाजिक तत्वों के विरुद्ध सख्त हैं। कटनी पुलिस द्वारा उक्त फ्लैग मार्च शहर के विभिन्न हिस्सों में अनवरत जारी रहेगा।

दमोह में खिलाड़ियों के बीच पहुंचे कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी

उनकी बातें सुनी व सी-विजिल एप के संबंध में चर्चा करते हुये आमजनों को अवगत कराने किया प्रेरित

सिटी चीफ । धीरज कुमार अहीरवाल दमोह, स्वीप गतिविधियों के तहत आयोजित मतदाता जागरूकता अभियान के बाद कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर जैसे ही रवाना होने को थे की तहसील ग्राउण्ड में क्रिकेट खेल रहे खिलाड़ियों ने कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर के समक्ष तहसील मैदान की सुरक्षा के लिये गेट लगवाने आदि के संबंध में अपनी बात रखी। इस पर कलेक्टर ने खिलाड़ियों से कहा खेल के दौरान मैदान में किसी प्रकार की कोई समस्या न हो इस पर ध्यान दिया जायेगा। खिलाड़ियों के आग्रह पर कलेक्टर ने क्रिकेट खेल में बेटिंग एवं बालिंग भी की। इस दौरान खिलाड़ियों में उत्साह देखते ही बनता था। उन्होंने खिलाड़ियों के साथ फोटो सेशन भी कराया। उन्होंने सी-विजिल एप डाउनलोड करने की बात भी खिलाड़ियों से कही।

निर्वाचन कार्य में लापरवाही के आरोप में 02 अधिकारी निलंबित

01 को किया गया सचेत

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ दमोह, लोक प्रतिनिधित्व 1951 की धारा 159 के तहत कर्मचारियों को सौंपे गये निर्वाचन कार्य के दायित्व का पालन करना आवश्यक हैं। समस्त अधिकारी-कर्मचारियों की सेवायें भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशन, नियंत्रण एवं अधीक्षण के अध्याधीन होती हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुधीर कुमार कोचर ने अपने भ्रमण के दौरान कर्तव्य स्थल पर लापरवाही करते हुए पाये जाने पर म. प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के उपनियम-9 के तहत ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी उद्यानिकी विभाग बटियागढ़ गजेन्द्र पटैल और ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी कृषि विभाग दमोह गुरूचरण पटैल को निर्वाचन कार्य में लापरवाही के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया हैं। निलंबन अवधि में नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्राप्त करने की पात्रता होगी। इसी प्रकार निर्वाचन कार्य में लापरवाही के आरोप में विकासखंड तकनीकी प्रबंधक कार्यालय परियोजना संचालक आत्मा दमोह शैलेन्द्र कुमार पौराणिक को सचेत करते हुये उक्त कृत्य की पुनरावृत्ति भविष्य में न करने हेतु सचेत किया हैं।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के बेटे आर्यमन सिंधिया ने शुरू किया पिता के लिए चुनावी अभियान, आज पिछोर पहुँच हज़ारों युवाओं को किया सम्बोधन कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी लेकर आए देश के लिए संजीवनी...

पीएम के कार्यकाल में देश आया होश में

अपने पिता ज्योतिरादित्य सिंधिया को बताया अर्जुन की तरह लक्ष्य पर ध्यान देने वाला

पीएम मोदी से प्रेरित होकर खुद स्टार्ट अप खोलने की कहानी सुनाई

केंद्र सरकार के योजनाओं कि तारीफ़ की

अपने दादा माधव राव सिंधिया को भी किया याद

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया अपने लोकसभा क्षेत्र गुना में खुद धुआँधार प्रचार कर रहे है और इस चुनावी अभियान में उनके परिवार का खूब साथ मिल रहा है । आज उनके बेटे महाआर्यमन सिंधिया ने आज पिछोर में युवा सम्मेलन में क्षेत्र के हज़ारों लोगों को सम्बोधित किया । महाआर्यमन सिंधिया ने कहा , मैं आज यहाँ आप सबके सामने राजनीतिक भाषण नहीं देना चाहता दिल से बात करना चाहता हूँ और क्यूँकि पूरे विश्व का सबसे बड़ा चुनाव होने जा रहा है जिसपर पूरे विश्व की नज़र है ! मैं आज देश के महान पुरुष की बात करना चाहता हूँ , आपने रामायण पढ़ा होगा की कैसे भगवान लक्ष्मण को होश में लाने के लिए हनुमान जी संजीवनी पहाड़ उठा कर ले आए थे ताकि वो होश में आ जाए वैसे ही हमारे देश के पीएम नरेंद्र मोदी जी ने हनुमान की तरह संजीवनी लाकर देश को होश में लाया । उन्होंने आयुष्मान भारत योजना लाकर एक एक भारत वासी का हेल्थ इन्शुरन्स कर दिया , हर व्यक्ति के लिए पाँच लाख रुपए तक का खर्च भारत सरकार उठा रही है । पीएम आवास योजना के तहत देश के लोगों को अपना पक्का मकान बना दे रही है , क्या कभी किसी ने सोचा था की पाँच करोड़ लोगों को पक्का मकान सरकार बनाकर देगी । किसी ने ने ये भी नहीं सोचा था की कोई सरकार सीधे 1250 रुपए बहनों की खाते में डालेगी लेकिन भाजपा ने महिलाओं के लिए सोचा और प्रदेश की बहनों के खाते में 1250 रुपए भेज रही है । देश में पीएम स्टार्ट अप योजना लेकर आए , 2014 से पहले केवल कुछ स्टार्ट अप थे आज देश में 90 हज़ार स्टार्ट अप , उसमें से 100 यूनिकॉर्न बन चुके है यानी 700 करोड़ की कम्पनी । मैंने भी दो स्टार्ट अप शुरुआत किए , मैंने खुद उसके लिए गवर्नमंट वेब्सायट में जाकर फ़ॉर्म भरे है । प्रधानमंत्री जी का विचार है कि युवा रोज़गार खोजने वाले नहीं बल्कि रोज़गार बनाने वाले बने और आज देश के युवा रोज़गार बना रहे है । मैंने भी दो स्टार्ट अप भी मध्यप्रदेश में खोले है , एआई की कम्पनी खोली हैं । पूरे देश में सबसे बेहतरीन कोडेर भारत में है , मैंने भी अपनी स्टार्ट अप कम्पनी में तीन सौ लोग काम कर रहे है ।

एक किराना वालों के लिए मैंने एक नई कम्पनी स्थापित की है , माई मंडी ! भारत ने पूरा विश्व हिला दिया है , मुझे फ़ोन आ रहे है की द्म – ह्व्ह्य के मेरे दोस्त भारत में कम्पनी खोलना चाहते है । आज न्यूज़ देख रहा था – टेस्ला भारत फ़ैक्ट्री खोल रही है , ऐपल चाइना में नहीं भारत में उत्पादन कर रही है । थल सेना के हथियार यहाँ निर्माण हो रहे है और हम निर्यात कर रहे है । अब भारत की लहर – इंडिया की लहर इतनी ज़ोर से चल रही है की हमारे विपक्ष ने भी अपना इंडिया रख लिया यह सोच कर की इससे कोई अटेन्शन मिलेगा । लेकिन यह नया भारत है , विकास वाले भारत है ! प्रगति वाला भारत !

अपने दादा माधव राव सिंधिया को किया याद ! आर्यमन सिंधिया ने कहा की मैं आज लोगों से मिलता हूँ तो भी माधव महाराज का नाम लेते है और कहते है की उन्हें माधव महाराज की याद आती है । मैं चौंक जाता हूँ की 21 साल के बाद भी लोग उनका नाम लेकर रोने लगते है सोचता हूँ उन्होंने लोगों के दिलों में कितनी जगह बनाई है , कितना काम किया होगा । वैसे ही मेरे पिताजी ज्योतिरादित्य सिंधिया भी उसी राह पर चल रहे है । मुझे एक कहानी याद आ रही है की कैसे अर्जुन से कहा गया था की मछली की आँख पर निशाना लगाना है और अर्जुन को केवल निशाना दिख रहा था बाक़ी योद्धाओं को मछली , पेड़ सब दिख रहा था वैसे ही मेरे पिताजी को भी सिर्फ़ निशाना दिखता हैं वो है केवल विकास और प्रगति और वो तीर केवल प्रगति के निशाने पर तीर मारते है।

जिला कांग्रेस के नेतृत्व में कांग्रेस का कार्यकर्ता सम्मेलन महू में संपन्न

महू- जिला कांग्रेस प्रवक्ता जुगनू जादवसिंह धनावत ने बताया इंदौर जिला कांग्रेस के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन महू में संपन्न हुआ। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर की जन्मस्थली पर पहुंच कर माल्यार्पण कर श्रध्दा सुमन अर्पित की उसके बाद सभा स्थल पर भव्य स्वागत हुआ। जीतू पटवारी ने अपने संबोधन में कहा आप राधेश्याम मुवेल को ज़िताओ आने वाला दौर कांग्रेस का रहेगा जुमले की सरकार ज्यादा दिन टिकने वाली नहीं, सदाशिव यादव ने कहा बुत स्तर पर समितियां गठित की जाएगी और वही टीम अपने-अपने क्षेत्र में चुनाव का संचालन कर कांग्रेस की जीत सुनिश्चित करेगी। कार्यकर्ता सम्मेलन में मुख्य रूप से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, प्रदेश कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष योगेश यादव, इंदौर जिला प्रभारी रवि जोशी, कसरावद विधायक सचिन यादव, इंदौर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सदाशिव यादव, धार महू लोकसभा प्रत्याशी राधेश्याम मुवेल, महू विधानसभा प्रभारी कन्हैयालाल ठाकुर, वरिष्ठ कांग्रेस नेता कैलाश दत्त पांडे, रामेश्वर पटेल, मुजीब कुरैशी, सत्यनारायण दाजी, हंसराज वर्मा, जगदीश यादव, यदुनंदन पाटीदार, जीतू ठाकुर, कमल चौधरी, अशोक सैनी, जिला अध्यक्ष रिता डांगरे, दौलत पटेल, विष्णु हारोड़, सुंदर पटेल, विजेंद्रसिंह चौहान, शक्तिसिंह गोयल, जिला पंचायत सदस्य रुमा भुरू भाई, रुक्मणी निनामा, जनपद सदस्य चंदरसिंह ठाकुर, अशोक आंजना, रेखा मनोहर गावड़, विलीन पाटीदार, मनीष वर्मा, बाबूलाल भूत, शिवनारायण पाटीदार, अफसर पटेल मंसूर पटेल, रशीद पटेल, गोविंद शर्मा, संजय शर्मा, बैकुंठ पटेल, पुनीत शर्मा, राजकुमार बागड़ी, आनंद गोगलिया, रामचंद्र गुर्जर, छोटेलाल जाट, नारायण पटेल, मोहन अग्रवाल, कपिल सोलंकी, महेश वर्मा, लियाकत पठान, सुभाष पटवारी, सुभाष पाटीदार, राधेश्याम मुकाती, जनकेश्वर जोशी, विजय नौलखा, नवीन पांडे, रंजीत गौहर, सुरेश पटेल, अजय धारू, मुन्नालाल पहलवान, नरेश जोशी, भागीरथ गुर्जर, राधेश्याम गुर्जर,राजेश पटेल, देवेंद्र अग्रवाल, अजय वर्मा,गजेंद्रसिंह राठौड़, प्रवीण पाटिल, सद्दाम पटेल, अभिषेक यादव, आशीष जैन, मनमोहन गुनावत, आसाराम बारूड़, महेश निनामा, तोलाराम बरगट, गोविंद टेलर, धर्मेंद्र चौहान, रामप्रसाद बारूड़, धर्मेंद्र सिंगारे, श्वेता डिसूजा, प्रेमलता तिवारी, सुनीता कोरी, जया नेगी, किरण वर्मा, प्रेम चौहान, पिंकी पंवार, गोरी वर्मा, लाले वर्मा, रवीश जादम,कमल धानुक, सुनील मित्तल,शुभम जैन, अभिषेक मारोलिया, सुकृत अग्रवाल, सुनील यादव, हुकम आंजना, राकेश मकवाना, राम पटेल, अफरोज खान, मुरारी पटेल, रमेश सिसोदिया, जाहिद कुरैशी, इकबाल खान, सतीश शेखावत, मसूद अहमद, मुन्नालाल मकवाना, मनीष डावर, मुकेश बारिया, मेवालाल बरगट, लक्ष्मण पवार, दिनेश कटारे, धन्नालाल सुमरा, महेंद्र यादव, राजीव रंजन वर्मा, विष्णु दायमा, जयप्रकाश यादव, पलक यादव, हेमा कुंडलवाल, अरुण गुर्जर, विष्णु गुर्जर, शैलेंद्र पटेल, रोहित कागट, राजू सेठ, भगवान चौधरी, प्रकाश चौधरी, रवि पटेल, सुभाष चौधरी, भारत मीणा, ओम पटेल, लखन दरबार, पंकज मीणा, इत्यादि हजारों कार्यकर्ता उपस्थित रहे स्वागत भाषण यदुनंदन पाटीदार ने दिया कार्यक्रम का संचालन कैलाशदत्त पांडे ने किया और आभार जुगनू जादवसिंह धनावत ने माना।

स्थान तलवाड़ा बुजुर्ग व्यक्ति निर्माण, परिवार निर्माण के साथ समाज निर्माण पंडित श्रीराम शर्मा जी के सूत्र को आत्मसात करेगे

डॉ चिन्मय पंड्या शिविर को संबोधित करेगे

युवा दंपती शिविर तलवाड़ा बुज़ुर्ग में व्यसन मुक्ति के संकल्प 7 अप्रेल को होगे

तलवाड़ा बुजुर्ग में आज दोप 2 बजे से युवा दंपती शिविर का आयोजन होगा। सीरवी समाज द्वारा आयोजित शिविर में आस पास 50 ग्राम के 1 हजार नव दंपती भागीदारी करेगे। सीरवी समाज जिला अध्यक्ष दिनेश चौधरी ने बताया की देव संस्कृति विश्व विद्यालय हरिद्वार के प्रति कुलपति डा चिन्मय जी पंड्या शिविर में उपस्थित होकर समाज के कर्णधारों को नई दिशा प्रदान करेगे। गायत्री परिवार के सहयोग से आयोजित शिविर के लिए गायत्री शक्ति पीठ अंजड से 121 युवा बाइक पर सवार होकर रैली के रूप में अंजड से तलवाड़ा बुजुर्ग कार्यक्रम स्थल पहुचेंगे। जिला समन्वयक महेंद्र भावसार ने बताया की पंडित श्रीराम शर्माजी के युग निर्माण के सूत्र व्यक्ति निर्माण,परिवार निर्माण,समाज निर्माण को आमजनों तक पहुंचाना और समाज को नई दिशा देना गायत्री परिवार का लक्ष्य है अपना सुधार संसार की सबसे बड़ी सेवा है। शिविरार्थिओ को पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य जी का साहित्य गायत्री मंत्र लेखन पुस्तक निशुल्क प्रदान किया जाएगा। मध्यप्रदेश जोन शांतिकुंज से जगदीश कुलमी जी, राजेश पटेल जी, उप जॉन से पन्नालाल बिरला जी भी उपस्थिति प्रदान करेगे। आयोजन की तैयारिया जोर शोर से चल रही है। उदगाता टोली में हीरालाल पाटीदार की भूमिका रहेगी। सीरवी समाज सचिव गोविंद भायल, मांगीलाल कोतवाल, विजय काग, सुरेश बरफा बद्री जमादरी ने समाज जन को आमंत्रित किया है। गायत्री परिवार जिला बड़वानी के कार्यकर्ता, महिला मंडल शक्तिपीठ ट्रस्ट मंडल व्यवस्थाओं को संभालेंगे।

ग्राम पहेड़ा बुथ क्रमांक 12 में भाजपा 44 वा स्थापना दिवस मनाया गया डॉक्टर कछावा के मुख्य अतिथि में

मल्हारगढ़ मल्हार मंडल के ग्राम पहेड़ा बूथ क्रमांक 12 में विस्तारक डॉ योगेश कच्छावा के मुख्य वक्ता के मुख्य अतिथि में मनाया सर्वप्रथम पंडित दीनदयाल उपाध्याय पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तस्वीर पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया उपस्थित भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कछावा ने कहा कि हमें भाजपा के नीति के अनुसार भाजपा प्रदेश जिला एवं मंडल के निर्देश के अनुसार हमें काम करना है और आने वाले लोकसभा चुनाव में इस ग्राम पेड़ा से भारी मतों से सुधीर जी गुप्ता को विजय बनाना है और हमारे जो पितृ पुरुष डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी पंडित दीनदयाल उपाध्याय उनके बताए हुए मार्ग पर हमको चलना है और केंद्र की नरेंद्र मोदी की सरकार कीजनकल्याणकारी योजनाएं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश जी देवड़ा के जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक हर मतदाता तक पहुंचना है और आने वाले चुनाव में भारी से भारी मतदान करवाना है और भाजपा के प्रत्याशी सुधीर जी गुप्ता को भारी मतों से जीतना है अबकी बार 400 पार के साथ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना है

इस अवसर पर उपस्थित भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का भी सम्मान भाजपा का दुपट्टा उड़ाकर किया गया कार्यक्रम मैं सरपंच प्रतिनिधि मुकेश लोहार नगर भाजपा अध्यक्ष भरत पाटीदार बालकृष्ण पाटीदार डॉक्टर कैलाश सेन रामानारायण लोहार देवेंद्र पाटीदार घनश्याम पाटीदार अनिल पटेल जीवन दास बैरागी सुनील पाटीदार ओंकार लाल पाटीदार समरथ चमन लाल पाटीदार पन्नालाल पाटीदार रामप्रसाद पाटीदार अशोक पाटीदार छोटू भाई पाटीदार बाबूलाल राठौर राजमल पावर कंवरलाल अहिरवार उपस्थित थे कार्यक्रम का संचालन सरपंच प्रतिनिधि मुकेश लोहार ने किया आभार बूथ अध्यक्ष भरत पाटीदार ने माना

आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए कुक्षी अनुभाग के चारो थानो के फोर्स ने एसडीओपी

आगामी मई माह में धार जिले में लोकसभा चुनाव संपन्न होना है एसपी श्री मनोज कुमार सिंह साहब ने जिले के सभी जिले के सभी थाना प्रभारी एवं एसडीओपी को अपने-अपने थाना क्षेत्र एवं सब डिवीजन में बलवा ड्रिल अभ्यास कर आगामी चुनाव के लिए सतर्क, चुस्त दुरुस्त रहने के निर्देश दिए हैं जो आज कुक्षी में थाना कुक्षी ,चौकी निसरपुर, थाना बाग, थाना टांडा थाना डही चौकी डेहरी पुलिस लाइन , एसडीओपी कुक्षि ऑफिस स्टाफ का फोर्स ,कुक्षी के एक मैदान में एकत्रित हुआ और वहां पर बलवा होने पर किस प्रकार से निपटा जाए उसके संबंध में अभ्यास किया गया , बलवा अभ्यास के दौरान एसडीओपी सुनील गुप्ता ने समस्त फोर्स को बताया कि किस प्रकार से बलवायियो को तीतर बितर करने के लिए कानूनी रूप से बल का प्रयोग किया जाए, किस प्रकार से अश्रु गैस को फायर किया जाए ,केन को किस प्रकार से उपयोग किया जाए एवं अंततः फायरिंग अभ्यास भी करवाया गया।बलवा अभ्यास मेकुक्षी एसडीओपी श्री सुनील गुप्ता, टी कुक्षी राजेश यादव, सूबेदार नितेश राठौर , थाना प्रभारी टांडा गुलाब सिंह, थाना प्रभारी डही दिलीप तडेवला, चौकी प्रभारी निसरपुर नारायण सिंह कटारा ,चौकी प्रभारी डेहरी जगदीश चौहान सहित थाना का स्टाफ करीब 70 का स्टाफ मौजूद रहा

कृषक बंधु फसल अवशेष (नरवाई) न जलायें भूमि की उर्वरा शक्ति कमी पर्यावरण गंभीर रूप से होता है प्रभावित-कलेक्टर श्री कोचर

दमोह -कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने जिले के किसानों भाईयों को रबी फसलों की नरवाई न जलाने की सलाह दी है। कलेक्टर श्री कोचर ने कहा है गेंहू कटाई का कार्य लगभग पूर्णता की ओर है और किसान भाई खेत की सफाई करने के लिए अक्सर नरवाई को जलाते हैं, जिससे पर्यावरण को नुकसान होता है अपितु साल दर साल में मिट्टी की उर्वराशक्ति का क्षरण भी होता है। शासन स्तर पर भी इस बात को गंभीरता से लिया जा रहा है। कलेक्टर श्री कोचर ने कहा पर्यावरण विभाग द्वारा नरवाई में आग लगाने की घटनाओं को प्रतिबंधित करके दण्ड अधिरोपित करने का प्रावधान है। पर्यावरण सुरक्षा हेतु नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्देशों के क्रम में वायु (प्रदूषण की रोकथाम एवं नियंत्रण) अधिनियम 1981 के अंतर्गत प्रदेश मे फसलों विशेषत: धान एवं गेंहू की फसल कटाई उपरांत फसल अवशेषों को खेतों में जलाये जाने हेतु प्रतिबंधित किया गया है, जिसे तत्काल प्रभाव से संपूर्ण म.प्र. में लागू किया गया है। निर्देशों का उल्लंघन किये जाने पर व्यक्ति/निकाय को प्रावधानानुसार पर्यावरण क्षति पूर्ति राशि देय होगी।कृषक जिनके पास 2 एकड़ से कम जमीन है उन्हें 2500 रूपये प्रति घटना पर्यावरण क्षति पूर्ति अर्थदण्ड देय होगा, कृषक जिनके पास 2 एकड़ से अधिक एवं 5 एकड़ से कम जमीन है उन्हें 5000 रूपये प्रति घटना पर्यावरण क्षति पूर्ति अर्थदण्ड देय होगा एवं कृषक जिनके पास 5 एकड़ से अधिक जमीन है उन्हें 15000 रूपये प्रति घटना पर्यावरण क्षति पूर्ति अर्थदण्ड देय होगा।उन्होंने कहा उप संचालक कृषि के मार्गदर्शन में कृषि विभाग के मैदानी कर्मचारी निरंतर भ्रमण कर किसानों को नरवाई न जलाते हुए गहरी जुताई कर, नरवाई को खेत में ही मिलाने की सलाह दे रहे हैं। यदि ऐसा नहीं कर सकते तो नरवाई को नीचे से कटाई कर उसका कंपोस्टर खाद बनाया जा सकता है, इस तरह बनाए गये बायो कंपोस्ट का उपयोग कर किसान काफी हद तक रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता को भी कम कर सकेंगे। बड़े किसानों से यह भी अपेक्षा की गई है कि जहां अधि?क मात्रा में क्रॉपवेस्टर उपलब्ध हो वे किसान क्षेत्र की गौ शालाओं में गेंहू का भूसा उपलब्ध करायें जिससे गौ शालाएं गौ ग्रास के मामले में आत्मनिर्भर हो सकें एवं किसान को खेतों में आग भी नहीं लगानी पड़े। इसके बाद भी यदि किसानों द्वारा खेतों में आग लगाकर नरवाई जलाई जाती है तो ऐसे किसानों पर आर्थिक दंड के प्रावधान भी शासन द्वारा किए गए हैं।उप संचालक कृषि श्री राजपूत ने कृषकों से आग्रह करते हुये कहा है कि वे स्वप्रेरणा से आग लगाने की कुप्रथा को समाप्त करें।

नाली निर्माण में डस्ट का उपयोग, पड़ रही है दरारें

खरगोन - ग्राम देवली में हो रहे नाली निर्माण में रेत की जगह डस्ट का उपयोग किया जा रहा है! जिससे निर्माण में अभी से दरारे पड़ने लगी है! ग्रामीणों ने बताया की निर्माण में भ्रष्टाचार किया जा रहा है, जिससे निर्माण अधिक समय तक सर्विस नहीं दें सकेगा! जिम्मेदार लोग पैसे बचाने के चक्कर में अत्यधिक मात्रा के सस्ती एवं घटिया किस्म की डस्ट का उपयोग कर रहे है वहीं केवल दिखाने मात्र के लिए एक ट्राली रेत डलवा लेते है! जो दो डम्पर यानी दस से बारह ट्राली डस्ट लग जाने पर एक ड्राली रेत का उपयोग करते है! ग्रामीणों की मांग है की घटिया सामग्री को हटाकर गुणवत्तापूर्ण निर्माण कराया जावे! जानकारी ग्रामीण चेतन पवार, दशरथ राठौर, छतर नागराज के द्वारा दी गई!

अधिकारियों के साथ परिजन पहुंचे मुक्तिधाम, जमीन में दफन शव निकाला बाहर, मृतिका की हुई पहचान, मामला महू-नीमच हाईवे पर मिली युवती की लाश का, पुलिस खोजेगी सविता के कातिलों को

रतलाम :- विगत दिनों महू-नीमच हाईवे पर मिले अज्ञात युवती के शव की शिनाख्त लगभग पूरी हो गई है। अधिकारियों की मौजूदगी में जमीन में दफन शव को फिर से बाहर निकाला गया। जिसके बाद परिजनों ने मृतिका का पहचान कर ली।

उक्त मृतिका युवती की पहचान सविता पिता स्व. भारतसिंह राठौर, निवासी ग्राम नरेड़ीबेरा, तहसील खाचरोद, जिला उज्जैन के रूप में हुई, परिजन शनिवार शाम रतलाम स्थित आनंदी हनुमान मुक्तिधाम पहुंचे। जहां तहसीलदार एवं रिंगनौद थाना पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में मृतिका के शव को फिर से बाहर निकाला गया।

जानकारी यह भी आई है कि, मृतिका सविता रतलाम में राम मंदिर के पास एक मकान में किराये से रहती थी, और सुप्रीम एकेडमी में नर्सिंग की छात्रा थी। उसके पिता भारतसिंह राठौर का कोरोना काल में निधन हो गया था। मृतिका सविता के परिवार में माता राजकुंवर, छोटा भाई धीरेन्द्र सिंह (18) और बहन रानू (17) है। मृतिका के भाई धीरेन्द्र का कहना है कि, उसकी सविता से आखरी बार रविवार शाम को बात हुई थी। गौरतलब है कि, बीते मंगलवार को महू-नीमच हाईवे पर ढोढर स्थित एक खेत में युवती की लाश मिली थी। ग्रामीणो की सूचना पर पुलिस और एफएसएल अधिकारी मौके पर पहुंचे। वहीं एसपी राहुल कुमार लोढ़ा ने भी घटना स्थल का निरीक्षण किया था। मृतिका का गला धारदार हथियार से रेत कर हत्या की गई थी। उसके गले में चेन, अंगुली में अंगूठी के अलावा कान में सोने के टॉप्स भी पुलिस ने बरामद किए थे। फोरेंसिक एक्सपर्ट के अनुसार, मृतिका के शरीर के ऊपर एक खून से सना कुर्ता भी मिला था। मौका पंचनामा तैयार कर शव का पीएम कराया गया, और फिर उसे दफन कर दिया था। घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद पुलिस द्वारा अलग-अलग बिंदुओं पर जांच शुरू कर दी गई थी।

पायलट्स की कमी से जूझ रही है एयरलाइन, कई उड़ानें हुई रद्द और लेट

इस हफ्ते के अंत तक सामान्य हो सकती हैं विस्तारा की उड़ानें

नई दिल्ली। विस्तारा एयरलाइंस का संकट जल्द ही खत्म हो सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस हफ्ते के अंत तक एयरलाइंस की उड़ानें भी सामान्य हो सकती हैं। विस्तारा एयरलाइंस ने ही इसके संकेत दिए हैं। विस्तारा एयरलाइंस पायलट्स की कमी से जूझ रही है और इसके चलते हाल के दिनों में बड़ी संख्या में विस्तारा एयरलाइंस की फ्लाइट्स या तो कैंसिल हुई हैं या फिर उनमें देरी हुई है। इसकी वजह से यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा है।

विस्तारा एयरलाइंस के पायलट्स ने थकान की शिकायत की थी और इसका सीधा असर सुरक्षा पर पड़ता है। पायलट्स का कहना है कि वह अधिकतम फ्लाइट ड्यूटी की सीमा तक पहुंच गए हैं और थकान की वजह से वे जल्दी जल्दी बीमार हो रहे हैं। विस्तारा एयरलाइंस के कई पायलट बीमार बताए जा रहे हैं। वहीं कई एयर इंडिया के साथ विस्तारा के विलय के बाद लाए जाने वाले सैलरी स्ट्रक्चर से खुश नहीं हैं और इसका विरोध कर रहे हैं। पायलट्स का कहना है कि हर कोई उड़ान से थक गया है। सभी नए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन नियमों से उम्मीद कर रहे थे कि वे कुछ राहत देंगे, लेकिन फिलहाल ऐसा होता नहीं दिख रहा है। पायलट्स ने इस बात की भी शिकायत की है कि एयरलाइंस पायलट्स से ज्यादा सॉफ्टवेयर पर विश्वास कर रही है। पायलट्स थकान की शिकायत कर रहे हैं और कंपनी बोइंग अलर्टनेस मॉडल पर विश्वास कर रही है।

डीजीसीए की घटनाक्रम पर है नजर

डीजीसीए की भी इस पूरे मामले पर नजर है। यही वजह है कि डीजीसीए ने विस्तारा एयरलाइंस से बड़ी संख्या में फ्लाइट्स कैंसिल होने पर जवाब मांगा था। साथ ही डीजीसीए ने पायलट्स के विरोध को देखते हुए नए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन नियमों को लागू करने पर फिलहाल रोक लगा दी है और इन पर और चर्चा करने को कहा है। नए नियम 1 जून से लागू होने थे।

विस्तारा एयरलाइंस के सीईओ विनोद कानन और कई अन्य शीर्ष अधिकारियों ने बुधवार की शाम पायलटों और अन्य स्टाफ के साथ एक वर्चुअल बैठक की। इस बैठक में नए कॉन्ट्रैक्ट और रोस्टर के मुद्दे पर बात हुई। मीडिया रिपोर्ट्स में कंपनी सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि बैठक के बाद पायलट भी सहयोग के लिए तैयार हैं। विस्तारा एयरलाइंस का एयर इंडिया के साथ विलय मई तक होने की उम्मीद है।

डिजिटल भुगतान प्रणाली में लगातार बढ़ता जा रहा यूपीआई का दबदबा, कार्ड के प्रति कम हो रहा लोगों का आकर्षण

जुलाई-दिसंबर में 30 फीसदी घटा प्रीपेड कार्ड से लेनदेन

नई दिल्ली। देश की डिजिटल भुगतान प्रणाली में यूपीआई का दबदबा लगातार बढ़ता जा रहा है। इसके उलट, कार्ड के प्रति लोगों का आकर्षण कम हो रहा है। खासकर डेबिट कार्ड के प्रति। हालांकि, क्रेडिट कार्ड के जरिये लेनदेन में बढ़ोतरी देखने को मिली है। वर्ल्डलाइन की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, 2023 की दूसरी छमाही यानी जुलाई-दिसंबर अवधि में देश में कुल 1.78 अरब क्रेडिट कार्ड जारी हुए। यह आंकड़ा जुलाई-दिसंबर, 2022 की तुलना में 21 फीसदी ज्यादा है। मूल्य के लिहाज से 2023 की दूसरी छमाही में क्रेडिट कार्ड के जरिये लेनदेन 11 फीसदी बढ़कर 9.39 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। इसके उलट, डेबिट कार्ड के जरिये जुलाई-दिसंबर, 2023 में लेनदेन मूल्य के लिहाज से सालाना आधार पर 16 फीसदी घटकर 3.02 लाख करोड़ रुपये रह गया। इस अवधि में कुल 1.15 अरब डेबिट कार्ड जारी हुए, जो जुलाई-दिसंबर, 2022 के मुकाबले 34 फीसदी कम हैं। वहीं, प्रीपेड कार्ड के जरिये मूल्य के लिहाज से लेनदेन सालाना आधार पर 30 फीसदी घटकर 241 अरब

औसत टिकट साइज : नेटबैंकिंग का सबसे ज्यादा

मूल्य व संख्या के लिहाज से दिसंबर, 2023 में यूपीआई लेनदेन के मामले में फोनपे, गूगल पे और पेटीएम का दबदबा रहा। संख्या के लिहाज कुल यूपीआई लेनदेन में तीनों एप की संयुक्त हिस्सेदारी 94.8 फीसदी से बढ़कर 95.4 फीसदी पहुंच गई। मूल्य के हिसाब से इन तीनों एप की कुल यूपीआई लेनदेन में संयुक्त हिस्सेदारी 93ल पहुंच गई। दिसंबर, 2022 में यह 92.2 फीसदी थी।

कार्ड संख्या में 34ल गिरावट

रिपोर्ट के मुताबिक, 2023 की दूसरी छमाही में कुल 3.70 अरब कार्ड (क्रेडिट, डेबिट और प्रीपेड कार्ड) जारी हुए। यह आंकड़ा सालाना आधार पर 7 फीसदी कम है। इसकी प्रमुख वजह जारी डेबिट कार्ड की संख्या में बड़ी गिरावट है। जुलाई-दिसंबर, 2023 में क्रेडिट, डेबिट और प्रीपेड कार्ड के जरिये कुल 12.66 लाख करोड़ रुपये के लेनदेन हुए। यह आंकड़ा सालाना आधार पर 13 फीसदी ज्यादा है।

नेटबैंकिंग : 505 लाख करोड़

नेटबैंकिंग के जरिये जुलाई-दिसंबर, 2023 अवधि में 505.5 लाख करोड़ रुपये के कुल 2.25 अरब लेनदेन हुए। एक साल पहले की समान अवधि में इसके जरिये 467 लाख करोड़ रुपये के 2.16 अरब लेनदेन हुए थे। मोबाइल से लेनदेन की संख्या 45.58 अरब से बढ़कर 62.95 अरब पहुंच गई। मूल्य के लिहाज से लेनदेन 116 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 152.33 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया।

फास्टैग : 20ल का उछाल

2023 की दूसरी छमाही में फास्टैग से 1.89 अरब लेनदेन हुए। यह एक साल पहले की समान अवधि के 1.67 अरब लेनदेन से 13 फीसदी अधिक है। मूल्य के लिहाज से फास्टैग लेनदेन 20 फीसदी बढ़कर 319.48 अरब रुपये पहुंच गया।

तीन करोड़ टन गेहूं खरीदने की भारतीय खाद्य निगम की है योजना

सरकार ने दी सलाह- किसानों से सीधे गेहूं न खरीदें व्यापारी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने वैश्विक व घरेलू कारोबारियों को घरेलू किसानों से नए सीजन का गेहूं खरीदने से बचने को कहा है। 2007 के बाद इस तरह की यह पहली सलाह है।

सूत्रों ने कहा, सरकार भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के घटते भंडार को बढ़ाने के लिए बड़ी मात्रा में गेहूं खरीदने की तैयारी में है। इसलिए, निजी व्यापारियों को अनौपचारिक रूप से कम-से-कम अप्रैल में उन थोक बाजारों से दूर रहने को कहा गया है, जहां किसान अपनी उपज एफसीआई या इन व्यापारियों को बेचते हैं। छोटे व्यापारियों व प्रोसेसर को छोड़कर हर किसी को सरकार के निर्देशों का पालन करना होगा।

एफसीआई की खरीद योजना में बाधा न बनें व्यापारी

सूत्रों के मुताबिक, केंद्र सरकार ने शीर्ष गेहूं उत्पादक राज्यों से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि निजी व्यापारी इस साल कम-से-कम तीन करोड़ टन गेहूं खरीदने की भारतीय खाद्य निगम की योजना के रास्ते में बाधा न बनें। भारतीय खाद्य निगम ने 2023 के दौरान स्थानीय किसानों से 2.62 करोड़ टन गेहूं की खरीदारी की थी, जबकि सरकार की ओर से खरीदारी लक्ष्य 3.41 करोड़ टन रखा गया था।

ये बड़े खरीदार

देश के अनाज बाजारों में सक्रिय व्यापारियों में कारगिल, आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर लुईस ड्रेफस और ओलम समूह शामिल हैं।

गृह मंत्रालय ने रद्द किए पांच एनजीओ के एफसीआरए लाइसेंस

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय ने विदेशी अनुदान के दुरुपयोग और अन्य कारणों का हवाला देते हुए उचित प्रक्रिया का पालन करने के बाद पांच जानेमाने गैर सरकारी संगठनों के विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम लाइसेंस रद्द कर दिए हैं। जिन एनजीओ के खिलाफ यह कार्रवाई की गई है उनमें सीएनआई सिनोडिकल बोर्ड ऑफ सोशल सर्विस (सीएनआई-एसबीएसएस), वॉलंटरी हेल्थ एसोसिएशन ऑफ इंडिया (वीएचएआई), इंडो-ग्लोबल सोशल सर्विस सोसाइटी (आईजीएसएसएस), चर्च ऑक्जिलरी फॉर सोशल एक्शन (सीएएसए) और इवेंजेलिकल फेलोशिप ऑफ इंडिया (ईएफओआई) शामिल हैं।

आईआईएम की रिपोर्ट में दावा - परमाणु ऊर्जा और अक्षय ऊर्जा के बिना साल 2070 तक जीरो कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य

दो दशकों तक कोयला ही रहेगा भारत के ऊर्जा क्षेत्र की रीढ़

नई दिल्ली। कोयला आने वाले दो दशकों तक भारत के ऊर्जा क्षेत्र की रीढ़ बना रहेगा। आईआईएम अहमदाबाद की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कोयले के इस्तेमाल को कम करने के लिए सही नीतियां बनाने की जरूरत होगी। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि परमाणु ऊर्जा और अक्षय ऊर्जा के बिना साल 2070 तक जीरो कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को हासिल करना संभव नहीं होगा। आईआईएम अहमदाबाद ने नेट जीरो के लक्ष्य को पाने के लिए ऊर्जा क्षेत्र में बदलाव और समन्वय पर अपनी रिपोर्ट तैयार की है। यह रिपोर्ट बुधवार को जारी की गई। इस रिपोर्ट को भारत सरकार के मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार प्रोफेसर अजय कुमार सूद ने कई गणमान्य लोगों जैसे नीति आयोग के सदस्य डॉ. वीके सारस्वत, परमाणु ऊर्जा विभाग के सचिव डॉ. एके मोहंती और कई अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में जारी किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि कार्बन उत्सर्जन नेट जीरो करना आसान नहीं है और इसके लिए कई रास्ते अपनाने पड़ेंगे। कोयले का इस्तेमाल अगले दो दशकों तक जारी रहेगा और यही भारत के ऊर्जा सेक्टर की रीढ़ बना रहेगा। रिपोर्ट के अनुसार, साल 2070 में भारत का कार्बन उत्सर्जन करीब 0.56 अरब टन कार्बन-डाई-ऑक्साइड से लेकर 1.0 अरब टन कार्बन डाई ऑक्साइड के बीच रहने की उम्मीद है। सरकार ने साल 2021 में दी थी इस रिपोर्ट को तैयार करने की मंजूरी रिपोर्ट को स्टडी प्रोजेक्ट के तहत तैयार किया गया है और इसकी मंजूरी नवंबर 2021 में सरकार के मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार द्वारा दी गई थी। इस स्टडी की फंडिंग परमाणु ऊर्जा कॉरपोरेशन द्वारा की गई थी। प्रोफेसर अजय सूद ने इस रिपोर्ट की तारीफ की और बताया कि इससे भारत के ऊर्जा सेक्टर की पूरी तस्वीर पता चली है। वहीं डॉ. अनिल काकोदकर ने भी कहा कि भारत के ऊर्जा सेक्टर को इस तरह की स्टडी की जरूरत थी।

उच्च मूल्यांकन के बाद भी पूंजी बाजार में निवेश

सेबी प्रमुख बोलीं- विदेशी निवेशकों को भारत में भरोसा

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की प्रमुख माधबी पुरी बुच ने कहा, भारत के पूंजी बाजार में उच्च मूल्यांकन का कारण विदेशी निवेशकों की देश को लेकर उम्मीद और भरोसा है। घरेलू बाजार में मूल्य और कमाई का अनुपात 22.2 है, जो दुनिया के कई सूचकांकों के औसत से अधिक है। भारतीय उद्योग परिसंघ के कार्यक्रम में बुच ने कहा, कुछ लोग कहते हैं कि हमारा बाजार महंगा है।?फिर भी निवेश क्यों आ रहा है? क्योंकि यह उस आशावाद और विश्वास का प्रतिबिंब है, जो दुनिया आज भारत में रखती है। सेबी प्रमुख ने कुछ सप्ताह पहले छोटी और मझोली कंपनियों के शेयरों में उच्च मूल्यांकन पर चिंता जताई थी। कहा था, यह एक बुलबुले में तब्दील हो सकता है।

सेबी प्रमुख ने बताया, भारतीय संस्थाओं ने 2023-24 में इक्विटी और बॉन्ड जारी कर बाजार से 10.5 लाख करोड़ जुटाए। इसमें बॉन्ड से आठ लाख करोड़ से अधिक जुटाए गए। बॉन्ड जारी करने पर उन्होंने कहा, यह एक साल में दिए गए कुल बैंक कर्ज के 62 फीसदी से अधिक तक पहुंच गया है।

जीडीपी के बराबर पहुंचा बाजार पूंजीकरण?

बुच ने कहा, बाजार में रुचि के कारण शेयर खंड में कुल बाजार पूंजीकरण 2023-24 के अंत में 378 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। एक दशक पहले यह 74 लाख करोड़ रुपए था। उन्होंने कहा, बाजार पूंजीकरण अब कुल मिलाकर जीडीपी के स्तर पर है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569